राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष: 11 अंक: 181 पृष्ट : 08, नई दिल्ली, बुधवार , 12 जनवरी 2022 मूल्य: 1.50/-

संक्षिप्त समाचार

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने किया संसद भवन का दौरा, अधिकारियों को दिए निर्देश

एजेंसी, नई दिल्ली । लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को संसद भवन परिसर का निरीक्षण किया और देश में कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी उपायों और अन्य तैयारियों का जायजा लिया। बिरला ने संसद के संबंधित अधिकारियों को कोरोना से बचाव के लिए सभी एहतियाती उपाय करने, चिकित्सा व्यवस्था को बेहतर करने और कोविड जांच को सुचारू रखने का निर्देश दिया। संसद भवन परिसर के चिकित्सा केंद्र में डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ कर्मियों से बात करते हुए उन्होंने मौजूदा उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया और निर्देश दिया कि सभी अतिरिक्त संसाधन प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराए जाएं।

नीति नवोन्मेष को बढ़ावा देने वाली, प्रगतिशील होनी चाहिए : अमिताभ कांत

एजेंसी, नई दिल्ली । नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत ने मंगलवार को कहा कि देश की नीतियां नवोन्मेष को बढ़ावा देने वाली, सुगम और प्रगतिशील होनी चाहिए। साथ ही उन्हें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ नीतियों के आधार पर मानक बनाया जाना चाहिए। माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के एक कार्यक्रम में कांत ने कहा कि भारत हर महीने तीन यूनिकॉर्न (एक अरब डॉलर मूल्यांकन वाले स्टार्टअप) तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा, ''मेरे हिसाब से आपकी नीतियां नवोन्मेष को बढ़ावा देने वाली, सुगम और प्रगतिशील होनी चाहिए। साथ ही उन्हें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ नीतियों के आधार पर मानक बनाया जाना चाहिए।''

उत्तर प्रदेश में भाजपा को तगड़ा झटका

कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्या ने दिया इस्तीफा, सपा में हुए शामिल

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले योगी कैबिनेट से स्वामी प्रसाद मौर्य ने इस्तीफा दे दिया है। श्री मौर्य ने समाजवादी पार्टी ज्वाइन कर ली है। स्वामी प्रसाद मौर्य का कैबिनेट से इस्तीफा देना बीजेपी के लिए बड़ा झटका है। स्वामी प्रसाद मौर्य बीजेपी से पहले बहुजन समाज पार्टी में थे। उनको बीएसपी सुप्रीमो मायावती का दाहिना हाथ कहा जाता था। स्वामी प्रसाद मौर्य ने इस्तीफा देने की जानकारी खुद ट्वीट करके दी। स्वामी प्रसाद मौर्य ने ट्वीट किया, दलितों, पिछड़ों, किसानों, बेरोजगार नौजवानों और छोटे-लघु एवं मध्यम श्रेणी के व्यापारियों की घोर उपेक्षात्मक रवैये के कारण उत्तर प्रदेश के योगी मंत्रिमंडल से इस्तीफा देता हूँ। यूपी की गवर्नर को भेजे लेटर में स्वामी प्रसाद मौर्य ने लिखा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंत्रिमंडल में श्रम एवं सेवायोजन व समन्वय मंत्री के रूप में विपरीत परिस्थितियों व विचारधारा में रहकर भी बहुत ही मनोयोग के साथ उत्तरदायित्व का निर्वहन किया है किंतु दलितों, पिछड़ों, किसानों बेरोजगार नौजवानों एवं छोटे-लघु एवं मध्यम श्रेणी के व्यापारियों की घोर उपेक्षात्मक रवैये के कारण उत्तर प्रदेश के मंत्रिमंडल से मैं इस्तीफा देता हूं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने स्वामी प्रसाद मौर्य के सपा ज्वाइन करने पर ट्वीट किया कि सामाजिक न्याय और समता-समानता की लड़ाई लड़ने वाले लोकप्रिय नेता स्वामी प्रसाद मौर्या और उनके साथ आने वाले अन्य सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों का सपा में हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन! अब सामाजिक न्याय का इंकलाब होगा, बाइस में बदलाव होगा। काफी दिनों से स्वामी प्रसाद मौर्य पार्टी से नाराज चल रहे थे। वो अपने, अपने बेटे और अपने कई समर्थकों के लिए टिकट मांग रहे थे। सूत्रों की मानें तो स्वामी प्रसाद मौर्य के बाद दो मंत्री और कई और विधायक बीजेपी का साथ छोड़ सकते हैं। गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनाव से पहले स्वामी प्रसाद मौर्य ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का विधायक दल का नेता रहते हुए अचानक त्यागपत्र देकर भाजपा का दामन थाम लिया था। मौर्य को भाजपा ने पिछड़ों के प्रमुख नेता के रूप में आगे किया था और मंगलवार को उनके इस कदम से भाजपा के खेमे में खलबली मच गई।

टिकट दावेदारों की बढ़ी धड़कनें

यूपी चुनाव को लेकर अमित शाह-योगी की दिल्ली में हुई बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उम्मीदवारों के नामों को केंद्रीय चुनाव समिति में अंतिम रूप देने से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेताओं की मंगलवार पार्टी मुख्यालय में एक बैठक हुई। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल हुए। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह सहित अन्य प्रमुख नेता भी इस बैठक में शामिल हुए जबकि भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा डिजिटल माध्यम से बैठक में शरीक हुए। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि चुनावी रणनीति से जुड़े विभिन्न पहलुओं के अलावा 15 जनवरी तक रैलियों, रोड शो और अन्य कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगाए जाने और डिजिटल रैली करने संबंधी निर्वाचन आयोग के आदेश के मद्देनजर चुनाव प्रचार के भावी कार्यक्रमों की रूपरेखा को लेकर भी बैठक में चर्चा हुई।

राजनीतिक रूप से अहम उत्तर प्रदेश में इस बार सात चरणों में चुनाव होगा और इसकी शुरुआत 10 फरवरी को राज्य के पश्चिमी हिस्से के 11 जिलों की 58 सीटों पर मतदान के साथ होगी। इसके बाद 14 फरवरी को दूसरे चरण में 55 सीटों पर, 20 फरवरी को तीसरे चरण में 59 सीटों पर, 23 फरवरी को चौथे चरण में 60 सीटों पर, 27 फरवरी को पांचवें चरण में 60 सीटों पर, तीन मार्च को छठे चरण में 57 सीटों पर और सात मार्च को सातवें तथा अंतिम चरण में 54 सीटों पर मतदान होगा। भाजपा जल्द ही पहले व दूसरे चरण के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर सकती है।

मुख्यमंत्री का 80 बनाम 20 फीसदी की बात करना युवाओं के मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश : प्रियंका

संवाददाता

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा इस विधानसभा चुनाव में 80 बनाम 20 फीसदी की बात करना युवाओं के मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास है। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि चुनावों में 80-20 जैसी बातें करना चार सौ बीसी कर युवाओं के मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास है। असलियत यह है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार के कार्यकाल में प्रति 100 लोगों में से 68 के पास काम नहीं है। प्रियंका गांधी ने कहा, मेरे युवा दोस्तों, अपनी शक्ति से रोजगार, शिक्षा जैसे मुद्दों का चुनाव बनाएं। गौरतलब है कि योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि आगामी चुनाव 80 बनाम 20 फीसदी के बीच होगा और भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रवाद, सुशासन और विकास के मुद्दे पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा था 80 फीसदी समर्थक एक तरफ होंगे, जबकि 20 फीसदी दूसरी तरफ। मुझे लगता है कि 80 फीसदी लोग सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेंगे जबकि 20 फीसदी ने हमेशा विरोध किया है।

एलएनजेपी अस्पताल के 136 कोविड मरीजों में से 130 आए थे अन्य बीमारियों के कारण : केजरीवाल

- दिल्ली में निजी कार्यालय बंद, घर से काम करने की प्रक्रिया अपनाने का दिया गया आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली स्थिति एलएनजेपी अस्पताल के 136 कोविड रोगियों में से 130 अन्य रोगों का उपचार कराने आए थे, लेकिन भर्ती होते समय वे कोरोना वायरस संक्रमित पाए गए। यह जानकारी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को दी। लोक नायक जय प्रकाश नारायण (एलएनजेपी) में हालात की समीक्षा करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पताल में भर्ती मात्र छह रोगी कोविड का उपचार कराने के लिए आए थे। उन्होंने यह भी कहा कि राजधानी में कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर पिछले साल अप्रैल की भीषण मारक लहर की तुलना ''बहुत मामूली'' है। केजरीवाल ने पत्रकारों से कहा, 'पिछली लहर के दौरान बड़ी संख्या में कोविड रोगियों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था। लेकिन यह संख्या इस बार बहुत कम है। विभिन्न अस्पतालों में अभी करीब 2000 कोविड रोगियों का उपचार चल रहा है। मुझे पूरा विश्वास है कि जो लोग

केवल कोविड-19 से संक्रमण के कारण उपचार कराने आ रहे हैं, उनकी संख्या बहुत कम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के मामले भले ही बढ़ रहे हैं, किंतु अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या अभी बहुत कम है। उनके अनुसार कोरोना संक्रमण से मरने वालों की संख्या भी अपेक्षाकृत कम है, किंतु सरकार किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार राजधानी में जनवरी महीने के पहले 10 दिनों में कुल 70 कोविड रोगीं की मौत हुई। दिल्ली में सोमवार और मंगलवार को 17-17 कोविड रोगियों की मौत हुई। दिल्ली में इसके पहले पिछले पांच महीनों के दौरान केवल 54 कोविड रोगियों की मौत दर्ज की गई थी। इससे पहले दिन में स्वास्थ्य विभाग ने यह परामर्श जारी कर सभी अस्पतालों से कहा था कि गंभीर एवं अन्य बीमारियों से पीड़ित कोविड रोगियों पर विशेषज्ञ समुचित ध्यान दें।

ताजा स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार अस्पतालों में भर्ती 1912 रोगियों में से 65 जीवनरक्षक प्रणाली पर हैं। कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने छूट प्राप्त श्रेणी में आने वाले कार्यालयों को छोड़कर सभी निजी कार्यालयों को बंद रखने के मंगलवार को निर्देश जारी किए। जो निजी कार्यालय अभी तक 50 प्रतिशत कार्य क्षमता के साथ काम कर रहे थे, उनसे अब घर से काम करने की प्रक्रिया का पालन करने को कहा गया है। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी आदेश के तहत शहर के रेस्तरां और बार बंद करने का भी निर्देश दिया गया है। बहरहाल, रेस्तरां को घर पर भोजन पहुंचाने की सुविधा देने की अनुमति है। इसके अलावा लोग रेस्तरां से पैक कराकर भोजन ले जा सकते हैं। ये प्रतिबंध तत्काल प्रभाव लागू होंगे और आगामी आदेश तक जारी रहेंगे। उपराज्यपाल की अध्यक्षता में डीडीएमए की सोमवार को हुई बैठक में दिल्ली में कोविड-19 संबंधी हालात की समीक्षा की गई। इस बैठक में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी मौजूद थे।

भाजपा का हर वादा झूठा निकला : अखिलेश यादव

योगी आदित्यनाथ दोबारा नहीं बन पाएंगे सीएम : अखिलेश

संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि जनता ने समाजवादी पार्टी को भाजपा का विकल्प मानती है। जनता इस बार भाजपा का सफाया करके समाजवादी पार्टी की सरकार लाएगी। समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर तीन सौ यूनिट बिजली मुफ्त देंगे, छात्रों-नौजवानों को पहले की तरह लैपटाप देंगे। पढ़ाई-रोजगार का इंतजाम होगा। सिंचाई मुफ्त होगी। अखिलेश यादव आज यहां पार्टी मुख्यालय में बड़ी संख्या में आए कार्यकर्ताओं को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा समाजवादी पार्टी सभी वर्गों को साथ लेकर चल रही है। समाजवादी पार्टी ने क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन किया है। इस बार जनता पुराने मुद्दों पर वोट नहीं देगी। समाजवादी पार्टी चुनावों की तैयारी पिछले दो साल से कर रही है। पार्टी के तमाम कार्यकर्ताओं को टेऊनिंग दी गई है कि कैसे अपना काम जनता तक पहुंचाएं। श्री यादव ने कहा कि भाजपा ने किसान, नौजवान को धोखा दिया। डीजल, बिजली, खाद, सब महंगे हो गए है। किसान की कमाई आधी हो गयी और महंगाई दुगनी हो गयी है। भाजपा के नेता एक बार भी किसान, नौजवान का नाम नहीं लेते हैं। भाजपा ने तीन कृषि कानून किसानों को संकट में डालने और उनको बर्बाद करने के लिए लाए थे। भाजपा ने जिन किसानों को आतंकवादी कहा था, वोट के लिए अब उनकी पूजा कर रही है। किसान जानता है कि भाजपा धोखा दे रही है। श्री यादव ने कहा भाजपा का हर वादा झूठा निकला। इसके विज्ञापन भी झूठे हैं। समाजवादी पार्टी ने हमेशा महिलाओं को सम्मान दिया। माताओं बहनों को समाजवादी पेंशन, कन्या विद्याधन, लैपटाप, रानी लक्ष्मीबाई योजना के जरिए सम्मान दिया था। समाजवादी पार्टी के घोषणा पत्र में आधी आबादी की सुरक्षा, सम्मान और रोजगार के लिए काम किया जाएगा। श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की जनसभाओं में उमड़ते जनसैलाब से घबड़ाकर सरकारी पार्टी के अनुकूल व्यवस्थाएं की जा रही है। लेकिन मतदाता साइकिल पहचानता है। वह साइकिल का बटन ही दबाएगा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की अनुमति से समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश की राज्य कार्यकारिणी में निर्मल सिंह बस्ती, बाबू सिंह आर्य गाजियाबाद को प्रदेश सचिव, मुक्तिनाथ राय आजमगढ़ को विशेष आमंत्रित सदस्य तथा मोहम्मद श्वाले को समाजवादी पार्टी बस्ती का जिला उपाध्यक्ष नामित किया गया है। अखिलेश यादव ने सीएम योगी पर हमला बोलते हुए नोएडा की धरती पर कदम न रखने के पीछे का रहस्य बताया। नोएडा जाने के बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी नहीं बच पाती है, इसीलिए मैं नोएडा नहीं गया। हमारे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नोएडा जा चुके हैं, इसलिए अब वह दोबारा सीएम नहीं बन पाएंगे। यूपी के सियासी गलियारों में काफी समय से यह चर्चा रही है कि मुख्यमंत्री रहते हुए जो भी शख्स नोएडा जाएगा, उसकी सत्ता छिन जाएगी। इस 'अपशगुन' का डर ऐसा रहा कि हर मुख्यमंत्री नोएडा जाने से बचता रहा। अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री रहते हुए नोएडा मेट्रो का शिलान्यास भी लखनऊ से ही किया था। योगी आदित्यनाथ ने इस मिथक को तोड़ते हुए वर्ष 2022 में ही नोएडा का दौरा किया था।वहीं भगवान को लेकर राजनिति में एंट्री के सवाल के जवाब में सपा सुप्रीमो ने कहा कि श्रीकृष्ण हमारे कुल देवता हैं। हम सभी देवी-देवताओं की पूजा अर्चना करते हैं। कोई भी देवता किसी एक व्यक्ति या पार्टी का नहीं होते हैं। इस बार जनता भाजपा को राधे-राधे कहकर सत्ता से विदा कर देगी। अखिलेश यादव ने इसके साथ ही स्वीकार किया कि वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन करना उनकी बड़ी गलती थी। अखिलेश ने कहा कि कांग्रेस के साथ समझौता एक बड़े मिशन को लेकर किया था। उन्होंने दावा किया कि अब समान विचारधारा वाले दलों के साथ गठबंधन है। सभी को साथ लेकर विधानसभा चुनाव जीतेंगे। अबकी बार जनता भाजपा को उखाड़ फेकेगी और सपा का स्वागत करेगी।

कोरोना के मामलों ने बढ़ाई चिंता

पीएम मोदी कल सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ करेंगे अहम बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली । देश में कोरोना की बढ़ती रफ्तार ने सरकार की चिंता को भी बढ़ा दिया है। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक करेंगे।

पीएम मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक करेंगे। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक बैठक में कोरोना की स्थिति और उपायों पर चर्चा होगी। बता दें कि

इससे पहले पीएम मोदी ने रविवार को अधिकारियों के साथ कोरोना को लेकर उच्च स्तरीय बैठक की थी जिसमें उन्होंने कई दिशा-निर्देश दिए थे। बता दें कि देश में कोरोना के 1,68,063 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 3,58,75,790 हो गए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को सुबह 8 बजे जारी आंकड़ों के मुताबिक इनमें 4,461 मामले ओमिक्रॉन के भी हैं। आंकड़ों के मुताबिक देश में 208 दिनों के बाद उपचाराधीन मरीजों की संख्या सर्वाधिक 8,21,446 दर्ज की गई

जबकि 277 और मरीजों की मौत होने से कोविड-19 के मृतकों की संख्या 4,84,213 पर पहुंच गई है।

ओमीक्रोन के 4,461 मामलों में से 1,711 लोग अब तक स्वस्थ हो चुके हैं या विदेश लौट गए हैं। महाराष्ट्र में सर्वाधिक 1,247 मामले सामने आए हैं।

इसके बाद राजस्थान में 645, दिल्ली में 546, कर्नाटक में 479 और केरल में 350 मामले दर्ज किए गए हैं।

सोमवार को कोरोना की चपेट में कई बड़े नेता भी आए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, कर्नाटक के सीएम बसवराज बोम्मई, बिहार के सीएम नीतीश कुमार कोरोना पॉजिटिव आए हैं।

न्यूयॉर्क के अपार्टमेंट में भीषण आग, नौ बच्चों समेत 19 लोगों की मौत, मेयर ने जताया दुख

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के एक अपार्टमेंट में भीषण आग लगने से 19 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में नौ बच्चे शामिल हैं। आग में 32 लोग झुलस गए हैं। उनमें से नौ की हालत गंभीर बताई गई है।

घटना शहर के ब्रॉक्स बॉरो इलाके में हुई। 19 मंजिला बहुमंजिला इमारत में लगी आग में 22 अन्य लोग मामूली घायल हुए हैं। न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि रविवार को हुई इस घटना में हमने 19 लोगों को खो दिया। यह दुखद घटना है। मृत लोगों के लिए मेरे साथ प्रार्थना कीजिए, खासकर नौ मासूम बच्चों के लिए। उन्होंने न्यूयॉर्क शहर के अग्नि शमन विभाग को आग पर तेजी से काबू पाने के लिए धन्यवाद दिया।

दूसरी व तीसरी मंजिल के डुप्लेक्स में लगी आग

अग्निशमन विभाग के प्रमुख डेनियल नीग्रो भी मेयर एडम्स के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए थे। उन्होंने बताया कि आग अपार्टमेंट की दूसरी और तीसरी मंजिल पर एक डुप्लेक्स अपार्टमेंट में लगी। अपार्टमेंट का दरवाजा खुला छोड़ दिया गया था, जिससे आग और धुआं 19 मंजिला इमारत में तेजी से फैल या। नीग्रो ने कहा कि यह दुखद घटना है। एक डुप्लेक्स अपार्टमेंट में सूचना मिलते ही तीन अग्नि शमन वाहन मात्र तीन मिनट के भीतर मौके पर पहुंच गए थे। पूरी इमारत में धुआं भर गया था। हताहतों को निकालने के लिए भारी मशक्कत करना पड़ी। कई लोगों की झुलसने से तो कई की दम घुटने से मौत हो गई।

हाल के दिनों में आग की यह बड़ी घटना

मेयर ने कहा कि आग कैसे लगी इसकी जांच की जा रही है। पीड़ितों के साथ पूरा शहर है। उनकी पूरी मदद की जाएगी। यह घटना बहुत ही त्रासदीपूर्ण व दर्दनाक है। हाल के दिनों की आग की यह बड़ी घटनाओं में से एक है।

फिर सामने आया चीन का घिनौना चेहरा, बुद्ध प्रतिमा तोड़ने की सूचना साझा करने पर बौद्ध भिक्षुओं की पिटाई

बीजिंग। चीन का तिब्बतियों और बौद्ध भिक्षुओं को लेकर घिनौना चेहरा एक बार फिर सामने आया है। सिचुआन प्रांत में चीन के अधिकारी तिब्बती बौद्ध भिक्षुओं को गिरफ्तार कर रहे हैं और उनकी जमकर पिटाई कर रहे हैं। चीन के अधिकारियों को संदेह है कि देश के लुहुओ काउंटी में बुद्ध की 99 फीट ऊंची प्रतिमा ध्वस्त किए जाने के बारे में तिब्बती बौद्ध भिक्षुओं ने ही बाहरी लोगों को सूचना दी है। जानकारी के अनुसार तिब्बत स्वायत्तशासी क्षेत्र के कार्दजे में बुद्ध की प्रतिमा को अधिकारियों ने दिसंबर में ध्वस्त कर दिया था। अधिकारियों का कहना था कि यह प्रतिमा बहुत ऊंची बनाई गई है। स्थानीय मठ के बौद्ध भिक्षुओं और वहां निवास करने वाले अन्य तिब्बती लोगों को प्रतिमा गिराए जाने का काम देखने के लिए मजबूर किया गया। विशेषज्ञों ने इस कार्रवाई को तिब्बत की विशिष्ट राष्ट्रीय संस्कृति और धर्म को नष्ट करने के लिए जारी अभियान का हिस्सा बताया। चीन के अधिकारी ड्रागो में एक मठ के 11 बौद्ध भिक्षुओं को गिरफ्तार कर चुके हैं। रेडियो फ्री एशिया ने कहा है कि तिब्बत के बाहर सूचना और फोटो भेजने के लिए लहामो यांगकी, त्सेरिंग सामद्रुप और चार अन्य तिब्बतियों को गिरफ्तार किए जाने की जानकारी मिली है। चीन के अधिकारियों का कहना है कि उन्हें सबक सिखाने की जरूरत है।वहीं, दूसरी ओर चीन में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए अलग-अलग शहरों में लाकडाउन लगाया गया है। एक करोड़ 30 लाख की आबादी वाले शियान में भी दो हफ्ते से लाकडाउन लगा हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि अब वे निवासियों को भोजन, स्वास्थ्य देखभाल और अन्य आवश्यकताएं प्रदान कर सकते हैं। हालांकि, अधिकारियों का दावा इसके उलट नजर आ रहा है।

चांद की मिट्टी और चट्टान में भी मौजूद है पानी, चीन के चांग ई-5 लूनर प्रोब ने हासिल किए सबूत

बीजिंग: चीन के चांग ई 5 लूनर प्रोब को चांद की सतह पर पानी होने के साक्ष्य मिले हैं। साइंस मैगजीन 'साइंस एडवांसेज' में शनिवार को छपे एक अध्ययन में इसके बारे में जानकारी दी गई है। बताया गया है कि चंद्रमा पर यान के उतरने के स्थान पर मिट्टी में पानी मिला। हालांकि, इसकी मात्रा काफी कम है। स्टडी के मुताबिक, जिस जगह यान उतरा उस जगह प्रति टन मिट्टी में 120 ग्राम पानी मौजूद होने की संभावना है। यानी यह स्थान पृथ्वी की तुलना में बहुत अधिक शुष्क है। गौरतलब है कि परीक्षणों में पहले भी चांद पर पानी की मौजूदगी की पुष्टि हुई थी। हालांकि, यान ने अब मौके पर ही चट्टानों और मिट्टी में पानी का पता लगाया है। प्रोब में लगाए गए एक विशेष उपकरण ने चट्टानों और सतह की जांच की और पहली बार मौके पर ही पानी का पता लगाया।

चीन की सरकारी ने चीनी विज्ञान अकादमी (सीएएस) के शोधकर्ताओं के हवाले से बताया कि पानी की मात्रा का अनुमान लगाया जा सकता है, क्योंकि पानी के अणु करीब तीन माइक्रोमीटर की आवृत्ति पर अवशोषित होते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि चंद्रमा की मिट्टी में मिलने वाली आर्द्रता में सबसे अधिक योगदान सौर हवा का है, क्योंकि उसमें हाइड्रोजन के तत्व से पानी बनता है। रिसर्चर्स के मुताबिक, इस जानकारी से चीन के अगले चांग ई-6 और चांग ई-7 मिशन की तैयारी का और मौका मिलता है। चांद पर पानी होने के सबूत ऐसे समय में मिले हैं, जब कई देश चंद्रमा की सतह पर लूनर स्टेशन तैयार करने की योजना बना रहे हैं।

ओहियो के रिपब्लिकन सांसद ने जांच आयोग के साक्षात्कार के अनुरोध को खारिज किया

वाशिंगटन। अमेरिका के ओहियो से रिपब्लिकन पार्टी के सांसद एवं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कांग्रेस में करीबी सहयोगी रहे जिम जॉर्डन ने पिछले साल छह जनवरी को हुए कैपिटल (अमेरिकी संसद परिसर) दंगे की जांच कर रही सदन की समिति द्वारा साक्षात्कार के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है। समिति के अध्यक्ष बेनी थॉम्पसन, डी-मिस को लिखे एक पत्र में, जॉर्डन ने कहा, अमेरिकी लोग डेमोक्रेट की लगातार जांच और पक्षपातपूर्ण खोज से थक चुके हैं। उन्होंने कहा कि साक्षात्कार अनुरोध प्रतिनिधि सभा के समक्ष लंबित किसी विशेष मामले पर एक सहयोगी के निर्णय के आधार की जांच करने के लिए एक अभूतपूर्व एवं अनुचित मांग जैसा है। साथ ही कहा, यह अनुरोध किसी भी वैध जांच की सीमा से बाहर है, मूल संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन करता है और विधायी मानदंडों को और नष्ट करने का काम करेगा। थॉम्पसन ने पिछले महीने जॉर्डन को एक पत्र में कहा था कि समिति चाहती है कि वह छह जनवरी को ट्रंप के साथ अपनी बातचीत और 2020 के चुनाव के परिणाम को चुनौती देने के ट्रंप के प्रयासों के बारे में जानकारी प्रदान करें।

कजाखस्तान हिंसा में 164 लोगों की मौत व 2200 घायल, 5800 गिरफ्तार

कजाखस्तान। कजाखस्तान में इस महीने के शुरू से जारी हिंसा में अभी तक 18 सुरक्षाकर्मियों समेत 164 लोग मारे गए । हिंसा से सबसे ज्यादा प्रभावित रहे देश के सबसे बड़े शहर अलमाटी में 103 लोग मारे गए हैं। मारे गए लोगों में चार साल की एक बच्ची भी शामिल है। हिंसा में शामिल 5800 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। देश के सभी प्रमुख स्थलों की सुरक्षा में रूसी और मित्र देशों के सैनिक तैनात किए गए हैं। राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायेव के बुलावे पर रूस के नेतृत्व वाले गठबंधन के 2500 सैनिक कजाखिस्तान आए हैं। हिंसक घटनाओं में 2200 लोग घायल हैं, 1300 सुरक्षाकर्मी भी हिंसा के शिकार हुए हैं।

अलमाटी में एक इलाके में फायरिंग की आवाज सुनी गई लेकिन बाकी शहर में शांति रही। हिंसा के दौरान बंद रहा अलमाटी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की सेवाएं सोमवार से शुरू हो सकती हैं। इस बीच सरकार ने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों से अपने कार्यालय पहुंचकर कामकाज संभालने के लिए कहा है। हिंसा के दौरान कई सरकारी कार्यालयों पर उपद्रवियों ने कब्जा कर लिया था। कुछ सरकारी इमारतों में आग भी लगा दी थी। देश के पश्चिमी इलाके में दो जनवरी को लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ आंदोलन शुरू हुआ था।

लेकिन कुछ ही देर बाद यह सरकार विरोधी हिंसक आंदोलन में तब्दील हो गया। इसी दौरान पूर्व राष्ट्रपति नूर सुल्तान नजरबायेव के खिलाफ भी नारेबाजी की गई। राष्ट्रपति टोकायेव ने हिंसा के लिए विदेश में प्रशिक्षित आतंकियों को जिम्मेदार ठहराया है। राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट तोकायेव के कार्यालय का कहना है कि स्थिति नियंत्रण में है। अधिकारियों ने प्रशासनिक भवनों पर फिर से नियंत्रण हासिल कर लिया है। प्रदर्शनकारियों ने इन भवनों को कब्जे में ले लिया था और इनमें से कुछ में आग लगा दी गई थी।

मेक्सिको: जबरन वसूली को लेकर जेल में दंगा भड़का, 56 कैदी घायल

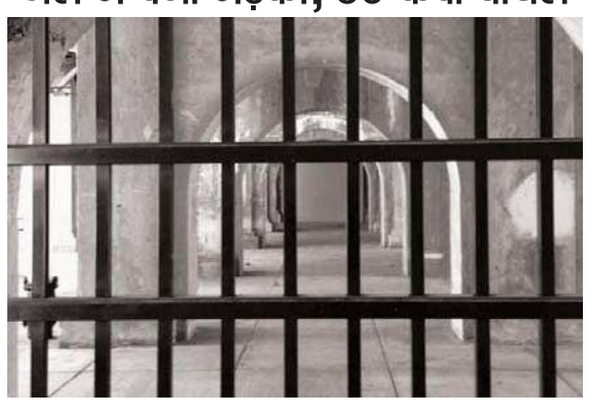

मेक्सिको। उत्तरी मेक्सिको की एक जेल में कैदियों द्वारा जबरन वसूली करने की कोशिश को लेकर दंगा भड़कने से 56 कैदी घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि दंगा अपोडाका जेल में हुआ, जो कि मॉन्टेरी शहर के बाहर स्थित है।

नुएवो लियोन राज्य के जन सुरक्षा सचिव एल्डो फासी ने कहा कि बंदूक का इस्तेमाल नहीं हुआ था, सभी कैदी मारपीट के कारण घायल हुए हैं। भारी वस्तुओं से लगी चोट या पत्थरों अथवा फर्श पर पटके जाने के कारण कुछ लोगों के सिर पर चोट लगी है। उन्होंने बताया कि जेल में कई कैदी औद्योगिक संयंत्रों में काम करते हैं और आमतौर पर उन्हें दिन भुगतान किया जाता है। उन्होंने कहा कि कम से कम पांच गिरोह जेल की दीवारों के अंदर अन्य कैदियों से धन की उगाही कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, कैदियों के पास से प्रतिबंधित सेलफोन, शराब और नशीले पदार्थ पाए गए हैं।

तालिबान सरकार की आलोचना करने वाला प्रमुख प्रोफेसर गिरफ्तार

काबुल। तालिबान ने एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के लोकप्रिय प्रोफेसर तथा अफगानिस्तान के मौजूदा शासन समेत विभिन्न सरकारों के मुखर आलोचक को गिरफ्तार किया है। समूह के प्रवक्ता जबीउल्ला मुजाहिद ने रविवार को यह जानकारी दी। मुजाहिद ने ट्वीट किया कि फजीउल्ला जलाल को तालिबान की खुफिया इकाई ने हिरासत में रखा है। समूह ने प्रोफेसर पर सोशल मीडिया पर बेतुकी टिप्पणियां करने का आरोप लगाया जिनसे लोगों को सरकार के खिलाफ भड़काया जा रहा है।

तालिबान ने 20 साल तक चले युद्ध के बाद 31 अगस्त को अमेरिकी सेना की वापसी से पहले अफगानिस्तान की सत्ता पर नियंत्रण कर लिया था। रविवार तड़के जलाल की बेटी हसीना जलाल ने ट्वीट कर अपने पिता को रिहा करने की गुहार लगाई। उन्होंने ट्वीट किया, ''मैं इस परेशान करने वाली खबर की पुष्टि कर रही हूं। मैंने अपने पिता फजीउल्ला जलाल को तत्काल रिहा करने की गुहार लगाई है।'

सऊदी अरब की राजकुमारी करीब 3 साल बाद जेल से रिहा

दुबई: सऊदी अरब के शाही घराने की एक राजकुमारी के समर्थकों ने दावा किया कि उन्हें करीब तीन साल जेल में रखने के बाद प्रशासन ने रिहा कर दिया है। राजकुमारी बस्माह बिंत सऊद सऊदी अरब के दूसरे राजा की बेटी हैं जो मार्च 2019 में लापता हो गई थीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर दावा किया था कि उन्हें बिना आरोप के सऊदी अरब की एक जेल में कैद कर दिया गया। राजकुमारी और उनकी बेटी की गिरफ्तारी का कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया था।

राजकुमारी के कानूनी सलाहकार हेनरी इस्ट्रामांट ने कहा कि 58 वर्षीय राजकुमारी बस्माह और उनकी 30 वर्षीय बेटी सुहैद अल-शरीफ को पिछले सप्ताह सऊदी की राजधानी रियाद के बाहरी क्षेत्र में स्थित जेल से रहा किया गया और वह बृहस्पतिवार को जेद्दा में अपने घर वापस लौटीं। उन्होंने बताया कि राजकुमारी कई स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही हैं और अब वह अपने परिवार के साथ समय बिताएंगी। वाशिंगटन स्थित सऊदी अरब दूतावास ने इस मामले में तत्काल टिप्पणी नहीं की है। सऊदी अरब सरकार ने इस मामले में कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं की है। हालांकि, वर्ष 2020 में सऊदी मिशन ने जिनेवा में कहा था कि राजकुमारी बस्माह अवैध रूप से विदेश

यात्रा की कोशिश करने समेत अन्य आपराधिक मामलों की आरोपी हैं। वहीं, हेनरी ने दावा किया कि राजकुमारी और उनकी बेटी को सुरक्षा एजेंसियों ने उस समय पकड़ लिया था, जब वे नियमित उपचार के लिए स्विट्जरलैंड जाने की तैयारी कर रही थीं।

भारत से प्राप्त कोच की सहायता से ट्रेन सेवा की शुरुआत की गई, कोलंबो को जाफना प्रायद्वीप के उत्तरी छोर कांकेसंथुराई से जोड़ेगी

कोलंबो। श्रीलंका ने भारत से खरीदे गए डीजल मल्टीपल यूनिट्स के इस्तेमाल से एक इंटर-सिटी ट्रेन सेवा की शुरुआत की। यह ट्रेन सेवा राजधानी कोलंबो को जाफना प्रायद्वीप के उत्तरी छोर कांकेसंथुराई से जोड़ेगी जहां तमिल बहुल जनसंख्या है।

यह श्रीलंका और नई दिल्ली की विकास साझेदारी के दो प्रमुख स्तंभों - बुनियादी ढांचे के विकास और देशव्यापी फोकस को उजागर करती है। श्रीलंका में भारतीय उच्चायोग ने ट्वीट किया, ''श्रीलंका की रेलवे अवसंरचना को शक्ति प्रदान करने के लिए आज नॉर्दर्न प्रॉविंस के लिए ट्रेन सेवा की शुरुआत की गई।

इसमें भारत के साथ विकास की साझेदारी के दो स्तंभ परिलक्षित होते हैं- अवसंरचना विकास और देशव्यापी केंद्रित

होना।''उद्घाटन समारोह में श्रीलंका के परिवहन मंत्री पी वन्नियाराच्चि और भारत के उप उच्चायुक्त विनोद के जैकब मौजूद थे। जैकब ने कहा कि यह ट्रेन सेवा लोगों के बीच आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करेगी और दोनों देशों के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग पर जोर देगी। वन्नियाराच्चि ने चल रही कोविड महामारी से निपटने में श्रीलंका को निरंतर समर्थन देने के लिए भारत सरकार को धन्यवाद दिया।

अमेरिका की चेतावनी: यूक्रेन पर हमला किया तो तबाह होगा रूस, दोनों देशों के शीर्ष कूटनीतिक अधिकारियों की होगी बैठक

वॉशिंगटन। अमेरिका ने रूस को चेतावनी दी है कि अगर उसने यूक्रेन पर हमला किया तो उसे आर्थिक रूप से तबाह कर दिया जाएगा। यूक्रेन पर तनाव के बीच जिनेवा में अमेरिका व रूस के शीर्ष कूटनीतिक अधिकारियों की बैठक होने वाली है। लेकिन बैठक से पहले बाइडन प्रशासन ने साफ कर दिया कि रूस के यूक्रेन में पीछे हटने तक कोई समझौता नहीं होगा।

बाइडन प्रशासन ने कहा, अगर रूस पीछे नहीं हटा तो अमेरिका यूरोप में अपनी रणनीतिक उपस्थिति में बढ़ोतरी करेगा। वहीं, अगर रूस पीछे हटता है, तो बाइडन प्रशासन यूक्रेन में मिसाइलों की तैनाती और पूर्वी यूरोप में नाटो के सैन्य अभ्यासों में कमी लाने पर रूस के साथ चर्चा के लिए तैयार है।

इसके साथ ही बाइडन प्रशासन के अधिकारियों ने साफ किया कि अगर रूस यूक्रेन पर हमला करता है, तो रूस को आर्थिक रूप से तबाह कर दिया जाएगा। अमेरिका और सहयोगी देश न केवल रूस के सरकारी संस्थाओं पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाएंगे, बल्कि रूस की आर्थिक मोर्चे पर घेराबंदी कर उसे दुनिया के सबसे खराब आर्थिक हालात वाले देशों की श्रेणी में पहुंचा दिया जाएगा।

ठप हो जाएंगे रूस के उद्योग-अमेरिका ऊर्जा और उपभोक्ता वस्तुओं के साथ ही एडवांस इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट, सॉफ्टवेयर प्रोद्योगिकी के रूसी निर्यात पर प्रतिबंध लगा सकता है। इससे रूस को इंटीग्रेटेड सर्किट व संबंधित उत्पाद नहीं मिलेंगे, इससे रूस के एयरक्राफ्ट एवयोनिक्स, मशीन टूल्स, स्मार्टफोन, गेम कंसोल, टैबलेट, टीवी, आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे तकनीकी उद्योग धाराशायी हो जाएंगे।

अमेरिकी पहल का जवाब नहीं दे रहा रूस

व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि रूस से अब तक जवाब न मिलन से यूक्रेन में तनाव कम करने के लिए व्हाइट हाउस की तरफ से टेलीफोन के जरिये की गई पहल खतरे में है। अमेरिका ने रूस से यूक्रेन सीमा पर सैन्य उपस्थिति घटाने का आग्रह किया था, लेकिन रूस ने अभी तक इस पर फैसला नहीं किया है। अधिकारी ने कहा कि यूक्रेन पर रूसी हमला हुआ तो अमेरिका कदम उठाएगा।

पूर्वी यूरोप में सैन्य उपस्थिति नहीं घटाएगा अमेरिका

इस बात की अभी कोई संभावना नहीं दिख रही है कि रूस की मांग के मुताबिक, अमेरिका पूर्वी यूरोप में अपनी सैन्य उपस्थिति को कम करे।

नाइजीरिया: हथियारबंद हमलावरों ने ग्रामीणों पर बरसाईं गोलियां, करीब 200 लोगों की मौत

कोलंबो। नाइजीरिया के एक गांव से बड़े नरसंहार की खबरें आई हैं जिनमें सैकड़ों लोगों को मौत के घाट उतार दिया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक उत्तर-पश्चिमी नाइजीरियाई राज्य जम्फारा के गांवों में कुछ हथियारबंद डकैतों ने लोगों पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं हैं, इस हमले में अनुमानित 200 या अधिक लोग मारे गए हैं।

लोगों को दफनाने में सेना की मदद

खबरों की मानें तो हमलावरों ने सोमवार को अपने ठिकानों पर हुए सैन्य हवाई हमलों का घातक प्रतिशोध लिया है। नरसंहार में मारे गए को दफनाने में सेना ने सामूहिक रूप से लोगों की मदद की। हालांकि राज्य सरकार का कहना है कि हमले में 58 लोगों की मौत हुई है। हमले के दौरान अपनी पत्नी और तीन बच्चों को खोने वाले एक निवासी उमरारू मकेरी ने कहा कि मारे गए लगभग 154 लोगों को दफनाया गया है। निवासियों ने कहा कि कुल मरने वालों की संख्या कम से कम 200 थी।

बता दें कि सोमवार को नाइजीरिया सेना ने जम्फारा राज्य के गुसामी जंगल और पश्चिमी त्समरे गाँव में डकैतों के ठिकानों पर हवाई हमले किए थे। जिसमें उनके दो

मुख्य लीडरों सहित 100 से अधिक डकैतों की मौत हो गई थी। वहीं इन गावों पर हुए हमलों से डकैतों ने अपना बदला लिया है।

लोगों के घरों में लगा दी आग

मोटरसाइकिलों पर 300 से अधिक सशस्त्र हमलावरों ने आठ गांवों पर धावा बोल दिया और मंगलवार को छिटपुट रूप से गोलीबारी शुरू कर दी। जम्फारा में स्थानीय सरकार के क्षेत्र में कम से कम 30 लोग मारे गए। मंगलवार और गुरुवार की रात के बीच मोटरसाइकिल पर सवार बंदूकधारी बड़ी संख्या में गांव पहुंचे और उन्होंने ग्रामीणों पर गोलियां चलाईं और घरों में आग लगा दी।

राष्ट्रपति ने नरसंहार पर दिया बयान

राष्ट्रपति मुहम्मदु बुहारी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि सेना ने उन आपराधिक गिरोहों का पता लगाने और उन्हें खत्म करने के लिए और उपकरण हासिल कर लिए हैं। साथ ही कहा कि डाकुओं द्वारा निर्दोष लोगों पर यह हमला दर्शाता है कि वे हताशा में ऐसा काम कर रहे हैं। आगे कहा कि डकैत हमारी सेना के निरंतर दबाव में है।

एक नजर

टेली परामर्श से संक्रमित होम आइसोलेशन के मरीजों का होगा इलाज

नई दिल्ली। दिल्ली में बढते कोरोना के मामले को देखते हुए दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने दिल्ली की जनता को उचित इलाज एवं मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए कोविड हेल्पलाइन की सुविधा शुरू की है। यह जानकारी दक्षिणी दिल्ली के महापौर मुकेश सुर्यान ने दी। उन्होंने बताया कि मरीजों को उचित परामर्श देने के लिए दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने टेली परामर्श, वीडियो परामर्श की सुविधा शुरू की है। जिसमें दक्षिणी निगम के अनुभवी चिकित्सक होम आइसोलेशन के मरीजों को परामर्श देंगे तथा कोरोना से ग्रस्त दिल्ली की जनता को उचित मार्गदर्शन भी प्रदान करेंगे। निगम द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर नजफगढ़ क्षेत्र 9999019340, दक्षिणी क्षेत्र. 9999019375, पश्चिमी क्षेत्र. 9999019426, मध्य क्षेत्र.9999019745। इन हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से सप्ताह के प्रत्येक दिन प्रातः 9 बजे से शाम 5 बजे तक परामर्श दिया जाएगा। इसके अलावा सुर्यान ने बताया कि दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने अपने अस्पतालों को कोरोना की तीसरी लहर से निपटने के लिए तैयार कर लिया है जिसमें माता गुजरी अस्पताल तिलक नगर में 100 ऑक्सीजनयुक्त बिस्तर कोरोना रोगियों के लिए तैयार किए गए है और यहा 2 पीएसए ऑक्सीजन प्लांट भी लगाए गए है। इसके अतिरिक्त पूर्णिमा सेठी अस्पताल में भी 60 ऑक्सीजनयुक्त बिस्तर तैयार किए गए है और एक ऑक्सीजन प्लांट भी लगाया गया है। चेस्ट क्लीनिक एवं टीबी अस्पताल नेहरू नगर में भी 40 ऑक्सीजनयुक्त बिस्तरों की व्यवस्था की गई है और एक पीएसए ऑक्सीजन प्लांट भी लगाया गया है।

दिल्ली नहीं लगेगा लॉकडाउन, बढ़ाए जा सकते हैं प्रतिबंधः डीडीएमए

नई दिल्ली। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने सोमवार को दिल्ली में लॉकडाउन नहीं लगाने का फैसला किया, लेकिन कहा कि लोगों को नुकसान पहुंचाए बिना कुछ अतिरिक्त प्रतिबंध लगाए जाएंगे। डीडीएमए ने साथ ही रेस्तरां में बैठकर भोजन करने की सुविधा बंद करने और मेट्रो ट्रेन-बसों में सवारियों की संख्या कम करने जैसी अन्य पाबंदी लगाने पर विचार किया। बता दें कि दिल्ली उपराज्यपाल (एलजी) अनिल बैजल की अध्यक्षता में डीडीएमए की एक बैठक में इस बात पर चर्चा की गई कि मौजूदा पाबंदियों को कैसे सख्ती से लागू किया जाए ताकि कोरोना वायरस और इसके नए स्वरूप ओमीक्रोन के फैलने पर अंकुश लगाया जा सके। इस बैठक में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी शामिल थे। बैठक में इस बात पर मंथन हुआ कि दिल्ली में लगाई गई पाबंदियों को समूचे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में भी लागू करना चाहिए। फिलहाल रेस्तरां में 50 फीसदी सीट पर ही बैठकर भोजन करने की अनुमति है, लेकिन मेट्रो ट्रेन-बसों की शत प्रतिशत सीट पर सवारियों को बैठने की अनुमति है।

दिल्ली पुलिस के एक हजार कर्मी हुए कोरोना संक्रमित

■ नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में दिनोंदिन इजाफा हो रहा है। अब आम लोगों के साथ दिल्ली पुलिस समेत अन्य महकमों के लोग भी भारी संख्या में इसके शिकार हो रहे हैं। राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण के मामलों में वृद्धि के बीच अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध शाखा) समेत दिल्ली पुलिस के करीब 1,000 कर्मियों में कोविड-19 की पुष्टि हुई है। सोमवार को यह जानकारी देते हुए दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त जनसंपर्क अधिकारी सलाहकार अनिल मित्तल ने बताया कि लगभग एक हजार पुलिस कर्मी अब तक कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। वे सभी क्वारंटाइन में हैं और पूरी तरह से ठीक होने के बाद ड्यूटी में शामिल होंगे। बता दें कि दिल्ली पुलिस में 80,000 से ज्यादा कर्मी हैं। हाल में दिल्ली पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना ने पुलिस कर्मियों के बीच कोरोना वायरस फैलने से रोकने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की थी। एसओपी के अनुसार, सभी पुलिस कर्मियों को ड्यूटी के दौरान चेहरे पर मास्क लगाना, सामाजिक दूरी का पालन करना और उचित तरीके से हाथों को धोना सैनेटाइज करना चाहिए। उसमें कहा गया कि जिन कर्मियों और उनके परिवार के पात्र सदस्यों ने कोविड-19 रोधी टीके की खुराक नहीं ली है उन्हें टीकाकरण प्रक्रिया पूरी करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। एसओपी के मुताबिक, जिन कर्मियों ने चिकित्सा वजहों से कोविड-19 रोधी टीके की खुराक नहीं ली है वे टीकाकरण के लिए फिर से चिकित्सकों की राय ले सकते हैं।

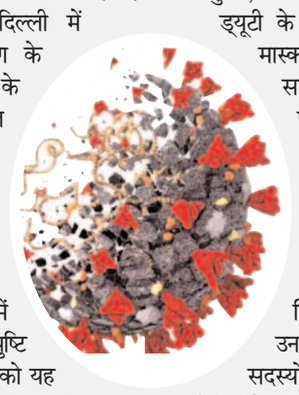

रामनगर वार्ड में नवनिर्मित कॉम्पेक्टर जनता को समर्पित

■ नई दिल्ली

शाहदरा उत्तरी क्षेत्र के अध्यक्ष प्रवेश शर्मा ने रामनगर वार्ड में नवनिर्मित फिक्स कॉम्पेक्टर ट्रांसफर स्टेशन एफसीटीएस का उद्घाटन किया। इस दौरान विधायक जितेंद्र महाजन स्थायी समिति अध्यक्ष बीर सिंह पंवार, पार्षद सुमन लता नागर, उपायुक्त शाहदरा उत्तरी, संजीव कुमार मिश्रा भी मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाहदरा उत्तरी क्षेत्र के अध्यक्ष और स्थानीय पार्षद प्रवेश शर्मा ने की। स्थायी समिति अध्यक्ष बीर सिंह पंवार ने कहा कि विषम आर्थिक परिस्थितियों में भी पूर्वी दिल्ली नगर निगम साफ-सफाई को लेकर उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्वी दिल्ली को स्वच्छ क्षेत्र बनाने के लिए विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। शाहदरा उत्तरी क्षेत्र के अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय पार्षद प्रवेश शर्मा ने बताया कि इस 25 मिट्रिक टन के फिक्स कॉम्पेक्टर ट्रांसफर स्टेशन की लागत 30 लाख रुपए है। उन्होंने कहा कि कॉम्पेक्टर के लगने से ढलाव पर कूड़े का सफाया होगा और साफ-सफाई बढ़ेगी। प्रवेश शर्मा ने कहा कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा कूड़े के वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण की दिशा में अहम कार्य किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

तैयारी

दिल्ली में कोविड के बढ़ते संकट को देख शादी हॉलों को कोविड हेल्थ सेंटरों में परिवर्तित किया जा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री से वैवाहिक कार्यक्रमों में 200 मेहमानों को मंजूरी देने का अनुरोध

■ नई दिल्ली

शादी-विवाह उद्योग से जुड़े कारोबारियों और अन्य पक्षकारों ने सोमवार को दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्एंद्र जैन से वैवाहिक कार्यक्रमों में 200 लोगों की मौजूदगी की मंजूरी देने की अपील की। अभी मेहमानों की सीमा केवल 20 व्यक्तियों तक सीमित है। मंत्री को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि कोविड के बढ़ते मामलों और हालिया पाबंदियों के कारण शादी समारोहों से जुड़ा उद्योग खराब स्थिति में पहुंच गया है। पाबंदियों के कारण लोगों ने मजबूर होकर शादी के कार्यक्रमों को रद्द कर दिया या फिर टाल दिया।

समाज के लिए शादी एक अपरिहार्य सामाजिक जरूरत है। लेकिन शादी की योजनाओं से जुड़े कारोबारी, होटल, कैटरर, नृत्य मंडली और कलाकारों के मुताबिक मेहमान सीमा केवल 20 व्यक्ति तक सीमित रहने के कारण लोग शादियां रद्द कर रहे हैं या इन्हें टाल रहे हैं। ज्ञापन में अनुरोध किया गया है कि मेहमान सीमा को कम से कम 200 किया जाए या फिर इसे कार्यक्रम स्थल की मेहमान क्षमता का 50 फीसदी किया जाए। पक्षकारों की ओर से कहा गया है कि वे कार्यक्रमों के दौरान कोविड संबंधी उचित व्यवहार और दिशानिर्देशों का पालन करेंगे जिसमें कार्यक्रम स्थल को दो बार सेनेटाइज करना और कोविड रोधी टीके की दोनों खुराक ले चुके लोगों को ही कार्यक्रम में शामिल होने की अनुमति देना शामिल है। ज्ञापन में हालात पर काबू पाने के तरीके को लेकर दिल्ली सरकार की सराहना करते हुए कहा गया है कि सरकार ने अन्य क्षेत्रों को राहत दी है, लेकिन इस तरह का कोई प्रावधान शादी उद्योग के लिए नहीं किया गया है।

पीएम की सुरक्षा में हुई चूक के विरोध में प्रदेश भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का मौन धरना

■ नई दिल्ली

प्रदेश भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा ने सोमवार को दिल्ली के सभी जिलों के विभिन्न स्थानों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सुरक्षा में हुई चूक के खिलाफ मौन प्रदर्शन किया गया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि देश का प्रधानमंत्री किसी पार्टी का नहीं बल्कि पूरे देश का होता है और वह उस देश की धरोहर होता है जिसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी हर एक नागरिक की होनी चाहिए। लेकिन कांग्रेस द्वारा जानबूझकर की गई इस साजिश के कारण आज देश की जनता कांग्रेस की असलियत समझ चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने षड्यंत्र रचकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बदनाम करने की कोशिश की। पंजाब में सिखों के अंदर हिन्दू.सिख को प्रधानमंत्री के खिलाफ भडकाया लेकिन उसमें नाकामयाब रहे। आज कुर्सी और देश के बीच कुर्सी को प्राथमिकता देने वाले राहुल गांधी एवं सोनिया गांधी की सोच और कृत्य पूरा देश समझ चुका है। बिधूड़ी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जान को जिस तरह से कांग्रेस ने गन्दी राजनीति का उदाहरण देते हुए खतरे में डाला है

इससे कांग्रेस की मानसिकता का पता चलता है और आज पंजाब सहित पूरा देश कांग्रेस के देश विरोधी सोच को जान चुका है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की इस भूल को देश कभी माफ नहीं करेगा और आने वाले चुनाव में इसका जवाब पंजाब की जनता कांग्रेस को देगी। इस मौके पर प्रदेश भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष भूपेन्द्र गोठवाल,सांसद डॉ. भोला सिंह,हर्ष मल्होत्रा,विधायक अनिल बाजपेयी,ओपी शर्मा, लता सोढी सहित अन्य प्रदेश पदाधिकारी सहित मोर्चे के कार्यकर्ता मौजूद थे।

दिल्ली में 25 फीसद पर पहुंची संक्रमण दर

■ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में तेजी से बढ़ते कोरोना के मामलों के साथ संक्रमण दर लगातार बढ़ रही है। सोमवार को यह बढ़कर 25 फीसद तक पहुंच गई। वहीं मौत का आंकड़ा भी 17 रहा। जबकि, एक्टिव केसों की बात करें तो इसकी संख्या बढ़कर 66 हजार के करीब पहुंच गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार सोमवार को कोरोना के 19166 नए मामले सामने आए। वहीं 14076 मरीजों को छुट्टी दी गई। जबकि 17 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में अभी तक 1568896 लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 1477913 मरीज ठीक हो चुके हैं। जबकि 25177 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में कोरोना से मृत्युदर घटकर 1.60 फीसदी रही। विभाग के अनुसार राजधानी में बढ़ते मामलों के साथ एक्टिव केस की संख्या बढ़कर 65806 हो गई है। इनमें से होम आइसोलेशन में 44028 मरीज भर्ती हैं। वहीं कोविड केयर सेंटर में 666, कोविड हेल्थ सेंटर में 34 और अस्पतालों में 1912 मरीज भर्ती हैं। दिल्ली के अस्पतालों में 1999 मरीज भर्ती हैं।

सनलाइट कॉलोनी में बदमाशों का तांडव

हवाई फायरिंग की, गाड़ी-बाइक तोड़ डाली

■ नई दिल्ली

सनलाइट कॉलोनी इलाके में दर्जन भर से ज्यादा बदमाशों ने गलियों में जमकर तांडव मचाया। डंडे, हाकी, राड व कट्टे से लैस बदमाशों ने गलियों में खड़े दर्जन भर से ज्यादा वाहन तोड़ दिए। दुकानों के काउंटर और घरों के दरवाजे तोड़ डाले। जिससे मोहल्ले में दहशत फैल गई, यहां रहने वाले लोग अपने घरों में घुस गए। पूरी वारदात गलियों में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। बदमाशों के जाने के बाद भी पुलिस के पहुंचने तक लोग अपने घरों से नहीं निकले। सूचना मिलने पर पहुंची सनलाइट कॉलोनी थाना पुलिस ने लोगों के बयान पर संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि एक परिवार से दुश्मनी के कारण आरोपियों ने ऐसा किया।

लूटपाट व दहशत फैलाने के लिए हुई वारदात

स्थानीय लोगों का कहना है कि आरोपियों ने लूटपाट व दहशत फैलाने के लिए वारदात की है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इलाके में पहले भी ऐसी वारदातें हो चुकी हैं। लेकिन पुलिस के ढुलमुल रवैये के कारण बदमाशों पर लगाम नहीं लग पा रही है। इस मामले में भी सीसीटीवी फुटेज होने के बावजूद अभी तक सिर्फ एक आरोपी को ही गिरफ्तार किया जा सका है। ज्ञात हो कि करीब छह माह पहले भी इसी इलाके में एक दर्जन से ज्यादा बदमाशों ने एक मोहल्ले में जमकर तोड़फोड़ की थी। आरोपियों ने न केवल गाड़ियों में तोड़ फोड़ की बल्कि घरों को निशाना बनाते हुए गेट तक तोड़ डाले थे।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि सनलाइन कॉलोनी में रहने वाले पीड़ित कर्मसेन ने पुलिस को शिकायत दी है। उसने अपनी शिकायत में बताया कि वह सनलाइट कॉलोनी में शिवमंदिर के पास रहते हैं और ग्राउंड फ्लोर पर उनकी दुकान है। दो जनवरी की रात करीब आठ बजे अचानक चीनू, मीठू, प्रिंस व फैज अपने साथियों के साथ आए और उनके बगल की दुकान में तोड़फोड़ करने लगे। विरोध करने पर आरोपी हवाई फायरिंग की और गली में खड़ी कारों व बाइकों को भी तोड़ डाला। कर्मसेन ने बताया कि आरोपी पहले भी ऐसी ही वारदात करने के कारण जेल जा चुके हैं। अविनाश पांडेय व आकाश ने भी पुलिस को वारदात के बारे में लिखित शिकायत दी है।

पहली इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता में डीएसईयू का बेहतर प्रदर्शन

■ नई दिल्ली

पहली इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दिल्ली स्किल एंड एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी (डीएसईयू) ने 2 रजत, 1 कांस्य पदक समेत उत्कृष्टता के 4 पदक जीते हैं। दरअसल, दिल्ली की 22 सदस्यीय टीम ने इंडियास्किल्स राष्ट्रीय प्रतियोगिता 2022 की 18 विभिन्न कौशल प्रतियोगिता में भाग लिया। डीएसईयू ने इन कौशल सितारों को 17 विश्व स्तरीय प्रशिक्षण भागीदारों के साथ और सेक्टर स्किल काउंसिल के सहयोग से प्रशिक्षित किया था। दिल्ली और भारत भर में 2200 से अधिक घंटे के लिए प्रशिक्षित किया। दिल्ली की टुकड़ी ने इलेक्ट्रिकल इंस्टालेशन, फैशन टेक्नोलॉजी, 3डी डिजिटल गेम, आर्ट जैसे कौशलों में चुनौती दी। उधर, उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि वर्ल्ड स्किल्स में भारत का दिल्ली के 3 कौशल सितारे प्रतिनिधित्व करेंगे। इंडियास्किल्स राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दिल्ली की टीम के प्रदर्शन से पूरे प्रदेशवासी गौरवान्वित हैं। डीएसईयू को वर्ल्डस्किल्स शंघाई 2022 के लिए जाने वाले पूरे भारत के दल को प्रशिक्षित करने में खुशी होगी। वहीं, कुलपति डीएसईयू प्रो. नेहारिका वोहरा ने खुशी व्यक्त की और कहा दिल्ली ने पहली बार इंडियास्किल्स में भाग लिया। मुझे यह देखकर खुशी हुई कि हमारे सितारों ने इतना अच्छा प्रदर्शन किया है। मैं इस शानदार प्रदर्शन के लिए अपने सभी चैंपियनों को बधाई देती हूं। डीएसईयू में हमने अपने सभी उम्मीदवारों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित किया है और उन्हें जीवन भर के लिए अपने कौशल को विकसित करने की मानसिकता के साथ फेस द वर्ल्ड स्किल्स को आत्मसात करने की कोशिश की है। उन्होंने आगे कहा कि वर्ल्डस्किल्स युवाओं के लिए अपने कौशल और योग्यता का प्रदर्शन करने के लिए एक शानदार मंच है। मैं राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी), संबंधित क्षेत्र कौशल परिषदों (एसएससी), उद्योग और प्रशिक्षण भागीदारों, जूरी सदस्यों और सभी हितधारकों को इस आयोजन की सफलता की बधाई देती हूं। हम सुनिश्चित करेंगे कि हमारे चैंपियंस सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण प्राप्त करें और वर्ल्डस्किल्स शंघाई 2022 में भारत को गौरवान्वित करें।

प्रदेश भाजपा ने मोहल्ला क्लीनिक को लेकर सरकार को घेरा

■ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के मोहल्ला क्लीनिक के डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल सरकार के स्वास्थ्य तंत्र पूरी तरह से जर्जर हो चुका है। केंद्र सरकार द्वारा डेक्स्ट्रोमेथोर्फन दवाई का उपयोग 4 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए करने से मना किया गया था लेकिन मोहल्ला क्लीनिक के डॉक्टरों ने एक और दिल्ली के मासूम को यह दवा देकर मौत और जिंदगी के बीच लड़ने के लिए मजबूर कर दिया है। मोहल्ला क्लीनिक भ्रष्टाचार व मौत के अड्डे बन गए हैं। हमारी मांग है कि लगातार बढ़ रहे इस तरह के मामलों में न्यायिक जांच हो और होने वाली लापरवाही के लिए सतेंद्र जैन को इस्तीफा देना चाहिए। गुप्ता ने मोहल्ला क्लीनिक की लापरवाही की वजह से बच्चों एवं मासूमों को होने वाली तकलीफ पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य व्यवस्था की हकीकत पूरी दिल्ली जान चुकी है। जिस मोहल्ला क्लीनिक का प्रचार देश में ही नहीं बल्की विदेशों में भी केजरीवाल करते हैं, वह सिर्फ उनके प्रचार का अड्डा बना हुआ है। जबकि उन क्लीनिकों में पोस्टर नहीं स्वास्थ व्यवस्था की जरुरत है। उन्होंने कहा कि इन मोहल्ला क्लीनिकों में अयोग्य डॉक्टर, एक्सपायरी दवाईयां एवं मूलभूत सुविधाओं की भी कमी है। पिछले सात सालों में 57 हजार करोड़ रुपये सिर्फ स्वास्थ व्यवस्था पर खर्च करने वाली केजरीवाल सरकार ने मोहल्ला क्लीनिक पर शुरुआती दौर में ही 1500 करोड़ रुपये खर्च किए लेकिन आज उसकी हालात बिल्कुल जर्जर हो चुकी है।

शवदाह अधिक वजन वाले मृत कुत्तों एवं अन्य छोटे जानवरों के दाह संस्कार के लिए 3000 रुपए शुल्क निर्धारित किया गया है

सीएनजी शवदाह गृह में होगा कुत्ते-बिल्लियों का अंतिम संस्कार

■ नई दिल्ली

दक्षिणी निगम का पशु चिकित्सा विभाग द्वारका सेक्टर -29 में दिल्ली का पहला मृत छोटे पशुओं का सीएनजी आधारित शवदाह गृह बना रहा है। इस शवदाह गृह को पीपीपी मॉडल पर बनाने तथा 10 वर्षों तक चलाने व बनाए रखने के लिए ओपन टेंडर के आधार पर ग्रीन रेवोल्यूशन फाउंडेशन संस्था को चुना गया है। अनुबंध की शर्तों के आधार पर इस शवदाह गृह के निर्माणए रख-रखाव एवं चलाने की संपूर्ण लागत ग्रीन रेवोल्यूशन फाउंडेशन संस्था को वहन करनी होगी। दक्षिणी निगम इस मृत पशुओं के शवदाह गृह के लिए केवल 10 वर्षों के लिए जमीन आवंटित करेगा जिसका मालिकाना हक दक्षिणी दिल्ली नगर निगम का ही रहेगा,जिसके चलते निगम ने द्वारका सेक्टर 29 में 700 वर्ग मीटर जमीन संस्था को दी है जिस पर उसने कार्य आरंभ कर दिया है तथा अप्रैल 2022 तक इसे पूरा कर लिया जाएगा। नेता सदन इंद्रजीत सहरावत ने बताया कि 30 किलो तक वजन के मृत पालतू कुत्तों एवं अन्य छोटे जानवरों, बिल्ली,भेड़,बकरी, सुअर के दाह संस्कार के लिए 2000 रुपए एवं 30 किलो से अधिक वजन वाले मृत कुत्तों एवं अन्य छोटे जानवरों के दाह संस्कार के लिए 3000 रुपए शुल्क निर्धारित किया गया है। सहरावत ने बताया कि दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के अधिकार क्षेत्र से लाए गए मृत आवारा कुत्तों के लिए क्रियाकर्म निःशुल्क होगा वहीं दिल्ली के अन्य निगमों जैसे उत्तरी दिल्ली नगर निगम पूर्वी दिल्ली नगर निगम,नई दिल्ली नगर पालिका एवं दिल्ली छावनी परिषद के अधिकार क्षेत्र के मृत आवारा कुत्तों के लिए शवदाह गृह का शुल्क 500 रूपये प्रति मृत आवारा कुत्ते निर्धारित किया गया है तथा मृत कुत्तों के शव को शवदाह गृह तक लाने की जिम्मेदारी संबंधित निगम की होगी। जबकि दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के मृत आवारा कुत्तों को शवदाह गृह तक लाने का कार्य ग्रीन रेवलूशन फाउंडेशन संस्था करेगी। इंद्रजीत सहरावत ने बताया कि द्वारका सेक्टर -29 स्थित कुत्तों का शवदाह गृह पूर्णतः सीएनजी आधारित होगा। इसमें सीएनजी आधारित दो भट्टियां स्थापित की जायेंगी। 30 किलो तक के मृत छोटे पशुओं को जलाने में अधिकतम 30 मिनट का समय लगेगा। शवदाह गृह सीएनजी आधारित होने के कारण धुआंरहित एवं पर्यावरण हितैषी होगा।

सम्पादकीय

कोरोना के दौर में चुनाव

संक्रमण फैलने की गति इतनी तेज है कि निर्वाचन आयोग को 15 जनवरी के बाद भी चुनाव प्रचार के परंपरागत तरीकों पर रोक लगानी पड़ सकती है। कोरोना संक्रमण पर लगाम लगाने के लिए ऐसा किए जाने में संकोच नहीं किया जाना चाहिए। आखिरकार निर्वाचन आयोग ने पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की तिथियां घोषित कर दीं। उत्तर प्रदेश में सात चरणों में मतदान होंगे तो मणिपुर में दो चरणों में और पंजाब, उत्तराखंड और गोवा में एक चरण में ही। नतीजे के लिए 10 मार्च का इंतजार करना होगा। निर्वाचन आयोग ने नामांकन और मतदान तिथियों की घोषणा करते ही 15 जनवरी तक चुनावी रैलियों, नुक्कड़ सभाओं, रोड शो, पदयात्रा आदि पर भी रोक लगा दी है। ऐसा करना आवश्यक था, क्योंकि कोरोना संक्रमण का प्रसार बहुत तेजी से हो रहा है।संक्रमण फैलने की गति इतनी तेज है कि निर्वाचन आयोग को 15 जनवरी के बाद भी चुनाव प्रचार के परंपरागत तरीकों पर रोक लगानी पड़ सकती है। कोरोना संक्रमण पर लगाम लगाने के लिए ऐसा किए जाने में संकोच नहीं किया जाना चाहिए। बेहतर हो कि राजनीतिक दल इसके लिए तैयार रहें कि उन्हें 15 जनवरी के बाद भी डिजिटल चुनाव प्रचार पर निर्भर रहना पड़ सकता है। इसमें थोड़ी समस्याएं आ सकती हैं, क्योंकि डिजिटल चुनाव प्रचार की कुछ सीमाएं हैं। बावजूद इसके इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि इसके पहले भी बंगाल, तमिलनाडु आदि में राजनीतिक दल डिजिटल तरीके से चुनाव प्रचार कर चुके हैं।

यह भी किसी से छिपा नहीं कि आज हर दल इंटरनेट मीडिया पर सक्रिय है। मजबूरी में ही सही, यदि डिजिटल चुनाव प्रचार की संस्कृति विकसित होती है तो यह उचित ही होगा। इससे न केवल दलों और जनता के समय एवं संसाधन की बचत होगी, बल्कि प्रशासन को रैलियों, रोड शो आदि के लिए जो तमाम प्रबंध करने पड़ते हैं, उनसे भी मुक्ति मिलेगी।जब डिजिटल तकनीक जीवन के हर क्षेत्र में बदलाव ला रही है तो फिर चुनाव प्रचार की शैली भी बदलनी चाहिए। चूंकि चुनाव वाले पांच राज्यों में सबसे अधिक आबादी वाला राज्य उत्तर प्रदेश भी शामिल है इसलिए पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर के मुकाबले उस पर सबसे अधिक दिलचस्पी होना स्वाभाविक है। इसलिए और भी, क्योंकि केंद्र की सत्ता का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर जाता है। यह भी उल्लेखनीय है कि चुनाव वाले पांच राज्यों में पंजाब को छोड़कर शेष चार में भाजपा सत्ता में है। कहां कितना कांटे का संघर्ष होता है, यह चुनाव नतीजे ही बताएंगे, लेकिन इतना तो है ही कि चुनाव प्रचार जनता से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित रहे तो बेहतर। निर्वाचन आयोग को इसके प्रति सतर्क रहना होगा कि न तो आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होने पाए और न ही किसी तरह की धांधली। उसे दुष्प्रचार करने वाले तत्वों से भी सावधान रहना होगा, क्योंकि डिजिटल संसार में ऐसे तत्व भी खूब हैं।

खिसियाई भाजपा खंभा नोचे

पंजाब चुनाव में भाजपा के लिए आसार पहले ही ठीक नहीं थे। कांग्रेस की अंदरूनी उठापटक के बावजूद भाजपा को ऐसा कोई मौका नहीं मिल रहा था, जिससे वह सुर्खियों में आ सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां अपने नाम के साथ चलाए जाने वाले जुमले, मोदी है तो मुमकिन है, को सच साबित कर दिया। यानी जिस भाजपा को अब तक पंजाब में खास तवज्जो नहीं मिल रही थी, उसे मोदीजी की सुरक्षा व्यवस्था के बहाने चर्चा में आने का मौका मिल गया।बुधवार 5 जनवरी को जिस तरह फिरोजपुर में उनकी रैली रद्द हुई, उसका ठीकरा अब कांग्रेस के सिर मढ़ते हुए भाजपा इसे चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश में लग गई है। इसका प्रमाण है केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की टिप्पणी, जिसमें वे कांग्रेस के खूनी इरादे नाकाम रहे, जैसी बात कह रही हैं। पंजाब एक अरसे से संवेदनशील राज्य रहा है और बड़ी मुश्किल से यहां अमन बहाली हुई है। लेकिन मात्र चुनावों में जीत के लिए जिस तरह की सनसनी कायम करने की कोशिश भाजपा कर रही है, वह निंदनीय है। फ्लाईओवर पर प्रधानमंत्री के काफिले के 15 मिनट तक रुकने का मामला सुप्रीम कोर्ट तो पहुंच ही चुका है, इस पर राष्ट्रपति से भी प्रधानमंत्री ने मिलकर चर्चा कर ली है। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से ट्वीट कर बताया गया है कि पंजाब में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में हुई चूक को लेकर राष्ट्रपति ने चिंता व्यक्त की है। पंजाब सरकार ने भी इस मामले की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। इसके बाद कम से कम भाजपा को शांत रहकर रिपोर्ट आने का इंतजार करना चाहिए। लेकिन भाजपा के लिए यह छींका फूटने के समान है, इसलिए वो इस मौके को पूरी तरह भुना रही है। प्रधानमंत्री अगर किसी राज्य में जाते हैं तो उनका मिनट दर मिनट का कार्यक्रम और आने-जाने की व्यवस्था, सब तय होते हैं। इस बारे में राज्य पुलिस सुरक्षा के लिए अकेले जिम्मेदार नहीं होती, उसके साथ विशेष सुरक्षा दल यानी एसपीजी तालमेल बना कर चलती है। बुधवार को मौसम खराब होने के कारण प्रधानमंत्री का हेलीकाप्टर से दौरा रद्द हुआ और सड़क मार्ग से जाना तय हुआ। यह फैसला उच्च स्तर से हुआ होगा, इसलिए केवल कांग्रेस को इस तरह दोषी ठहरा कर संदेह का माहौल बनाना, एक निर्वाचित सरकार के खिलाफ इस तरह की टिप्पणी करना कतई सही नहीं है। वैसे भी प्रधानमंत्री का सुरक्षा चक्र काफी मजबूत होता है। प्रधानमंत्री के काफिले में सबसे पहले पुलिस की गाड़ी सायरन बजाती हुई चलती है। इसके बाद एसपीजी की गाड़ी और फिर दो गाड़ियां चलती हैं। इसके बाद दाईं और बाईं तरफ से दो गाड़ियां रहती हैं जो बीच में चलने वाली प्रधानमंत्री की गाड़ी को सुरक्षा प्रदान करती है। प्रधानमंत्री की सुरक्षा में विशेष सुरक्षा दल (एसपीजी) के जवान तैनात रहते हैं। सार्वजनिक कार्यक्रम में एसपीजी कमांडो प्रधानमंत्री के चारों तरफ रहते हैं और उनके साथ-साथ चलते हैं। निजी सुरक्षा गार्ड सुरक्षा घेरे की दूसरी पंक्ति में तैनात रहते हैं। तीसरे सुरक्षा चक्र में नेशनल सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) होते हैं। चौथे चक्र में अर्द्धसुरक्षा बल के जवान और विभिन्न राज्यों के पुलिस अधिकारी होते हैं। और सुरक्षा के पांचवे चक्र में कमांडो और पुलिस कवर के साथ कुछ अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाओं से लैस वाहन और एयरक्राफ्ट रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी अति सुरक्षा वाली बुलेटप्रूफ बीएमडब्ल्यू 7 कार से सफर करते हैं। उनके काफिले में दो डमी कार के अलावा एक जैमर से लैस गाड़ी भी तैनात रहती है। सुरक्षा की इतनी कड़ी व्यवस्था इसलिए है, क्योंकि देश ने इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्या के दुखदायी प्रकरण देखे हैं।

चाहे किसान हों या कांग्रेस, भाजपा से उनके राजनैतिक, वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, पर इसके लिए हत्या की साजिश जैसे आरोप काफी गंभीर हैं। भाजपा को इस किस्म की राजनीति से बचना चाहिए। वैसे भी पंजाब में हाशिए पर जा चुकी भाजपा के लिए भविष्य में कोई बेहतर उम्मीद नहीं दिख रही। कल प्रधानमंत्री की जो रैली रद्द हुई, वो एक तरह से भाजपा के फायदे में ही रही। क्योंकि भाजपा का दावा था कि कम से कम 5 लाख लोग इस रैली में पहुंचेंगे, मगर सभास्थल पर खाली पड़ी कुर्सियां गवाह थीं कि लोगों ने पहले ही मोदीजी को न सुनने का मन बना लिया था। भाजपा ने शुरुआती तैयारियों में 32 सौ बसों की व्यवस्था की थी, ताकि लोगों को रैली में पहुंचाया जा सके। लेकिन किसानों के विरोध को देखते हुए जब यह अहसास भाजपा की राज्य इकाई को हुआ कि यह रैली फ्लॉप शो साबित हो सकती है, तो बाद में बसों की संख्या घटाकर 5 सौ कर दी गई थी।

धर्मनिरपेक्षता ही नहीं, हिंदू धार्मिक परंपराओं के भी खिलाफ है हिंदुत्व

राजेंद्र शर्मा

राहुल गांधी के हिंदुत्व और हिंदू धर्म के अंतर और वास्तव में उनके एक-दूसरे के विरोधी होने को रेखांकित करने से भारत को बहुसंख्यकवादी निरंकुशता के रास्ते पर धकेले जाने का मुकाबला करने वाली ताकतों को क्या और कैसी मदद मिलेगी, यह तो वक्त ही बताएगा। लेकिन, आरएसएस प्रमुख भागवत तथा भाजपा के शीर्ष नेताओं में योगी आदित्यनाथ से लगाकर नीचे तक, संघ परिवार के हजारों मुंहों से आई तिलमिलाहट भरी प्रतिक्रियाओं से साफ है कि श्री गांधी का तीर एकदम निशाने पर लगा है। इतना ही नहीं, कांग्रेस के शीर्ष नेता द्वारा हिंदू धर्म और हिंदुत्व के उक्त अंतर को सार्वजनिक बहस के बीच लाए जाने के बाद से और खासतौर पर साल के आखिर में हिंदू धर्म के नाम पर हुई कई घटनाओं ने, इस अंतर की सच्चाई को साबित करने का ही काम किया है। इनमें एक ओर तो स्वयंभू हिंदू धर्म रक्षकों द्वारा गुड़गांव में शुक्रवार दर शुक्रवार, अलग-अलग जगहों पर नमाज में बाधा डाले जाने से लेकर, क्रिसमस के आयोजनों में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा आदि से लेकर कर्नाटक तक में खलल डाले जाने की घटनाएं शामिल हैं। और दूसरी ओर है, हरिद्वार से लेकर रायपुर तक, धर्म संसद और जाहिर है कि हिंदू धर्म संसद के नाम पर हुए खुल्लमखुल्ला, पर-धर्म विरोधी जमावड़ों का आयोजन। हिंदू धर्म की रक्षा करने के नाम पर हुई इन करतूतों के चरित्र के संबंध में इतना याद दिलाना ही काफी होगा कि अपनी सारी हिचकिचाहट तथा अनिच्छा के बावजूद, वर्तमान डबल इंजन शासन को भी, इन सभी मामलों को देश के कानून के अंतर्गत अपराध मानकर, आपराधिक तफ्तीश तो शुरू करनी ही पड़ी है। असली मुद्दा यही है कि आज हम हिंदू धर्म या हिंदू धार्मिक आस्था के बरखिलाफ, हिंदू धर्म की दुहाई के राजनीतिक इस्तेमाल के ही विस्फोट से दो-चार हो रहे हैं। हिंदू धार्मिक परंपरा के विपरीत, यह परिघटना उतनी ही नयी और आधुनिक है, जितनी की राष्ट्र-राज्य की संकल्पना। यह संयोग ही नहीं है कि भारतीय महाद्वीप में, राष्ट्र-राज्य की परिकल्पना को धार्मिक पहचान से जोड़ने के दो सबसे बड़े सिद्धांतकारकृसावरकर और जिन्नाकृदोनों ही निजी तौर पर धार्मिक आस्थाओं से बहुत दूर और नितांत लौकिकतावादी थे। शायद इसलिए भी, वे अपने-अपने पैदाइश के धर्म के साथ, एक पूरी तरह से निर्मम उपयोगितावादी रिश्ता बनाने में और धर्म की दुहाई को अपने राजनीतिक लक्ष्यों के लिए युद्ध की तलवार बनाने में समर्थ हुए। इसके अर्थ को, मिसाल के तौर पर गांधी, नेहरू तथा मौलाना आजाद के धर्म के साथ रिश्ते के सामने रखकर, देखा जा सकता है। जहां नेहरू, एक निरीश्वरवादी थे और धर्म को राजनीति से दूर ही रखने के पक्षधर थे, गांधी और आजाद, अपने-अपने धर्म में आस्था

ही नहीं रखते थे, साम्राज्यवादी शासन के संदर्भ में, अपने धर्मावलंबियों के लौकिक हितों के साथ अपनी आस्था को जोड़ते और वास्तव में उनके लौकिक हितों के तकाजों से अनुशासित भी करते थे। एक साम्राज्यवादविरोधी सर्वभारतीय एकता, इन लौकिक हितों की सबसे बुनियादी शर्त थी। इसीलिए, गांधी, आजाद और दूसरे अनेकानेक राष्ट्रवादी बौद्धिक-सांस्कृतिक-धार्मिक नेताओं ने, खुद धार्मिक परंपराओं, विश्वासों को इस प्रकार पुनर्परिभाषित व व्याख्यायित और यहां तक कि पुनर्सृजित किया था, जो उन्हें इस सर्वभारतीय एकता के अनुरूप ढाले। यह उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में उठे सुधार आंदोलनों का अगला कदम था। अचरज नहीं कि गांधी ने जहां एक ओर, हिंदू धर्म की ऐसी कल्पना पर जोर दिया, जिसमें अन्य धर्मों का आदर एक प्रमुख मूल्य हो, तो दूसरी हिंदू धर्म की ऐसी कल्पना का तकाजा किया, जिसमें छुआछूत पाप हो। कहने की जरूरत नहीं है कि सावरकर हों या जिन्ना, धार्मिक पहचान के सिर्फ इस्तेमाल में दिलचस्पी रखने वालों की इस तरह के सुधारों में कोई दिलचस्पी नहीं थी बल्कि वे तो इन्हें अपने धार्मिक समुदायों को बांटने वाला मानकर, दबाने की ही कोशिश करते थे। विशेष रूप से हिंदू पहचान के लिए इसका अर्थ, जातिवादी सवर्ण पहचान होना भी था। भारत में राष्ट्रवादी आंदोलन के दौरान धार्मिक परंपराओं का ऐसा अनुकूलन व सुधार, जनता को लौकिक हितों के अनुकूल होने के साथ ही, भारतीय पंरपरा के अनुकूल होने के चलते भी काफी असरदार साबित हुआ था। भारतीय परंपरा, अपने मूल में बहुलतावादी परंपरा रही है। एक ओर अगर दुनिया के सारे धर्म, अपनी स्थापना की चंद सदियों में ही भारत तक पहुंच चुके थे, तो दूसरी ओर विशेष रूप से मुस्लिम परंपरा के महत्वपूर्ण रूप से स्थापित होने के साथ, हिंदू और हिंदू धर्म की संज्ञाओं के प्रचलन में आने के समानांतर भी वैष्णव, शैव, शाक्त आदि, आदि धर्मों की धारणाएं और द्वैत-अद्वैत आधारित संप्रदायों की पहचानें भी चलन में थीं। इसके साथ ही लोक धर्मों के रूप में भक्ति, सूफी आदि मिली-जुली परंपराएं भी फल-फूल रही थीं। यहां तक कि धार्मिक परंपराओं का अच्छा-खासा ऐसा हिस्सा भी था, जिसे हिंदू या मुस्लिम की श्रेणियों में बांटा ही नहीं जा सकता था और अंगरेजों ने जब भारत में जनगणना की शुरूआत की थी, आबादी का अच्छा-खासा हिस्सा, हिंदू, मुसलमान या ईसाई जैसी प्रमुख धार्मिक पहचानों के दायरे से बाहर ही था। यह दूसरी बात है कि जनसंख्या की गिनती की इस प्रक्रिया से निकले, सांप्रदायिक होड़ के राजनीतिक तकाजों ने, कुछ ही समय में, इन समूहों में से अधिकांश को, प्रमुख धर्मों में से किसी एक के खाने में धकेलने का ही काम किया। भारतीय उपमहाद्वीप के इस यथार्थ को देखते हुए, रत्तीभर अचरज की बात नहीं है कि यहां कभी भी और कोई भी उल्लेखनीय राज्य, धर्म-आधारित नहीं रहा। अशोक के प्रसिद्ध धर्मादेशों से लेकर, अकबर द्वारा प्रवर्तित दीन-ए-इलाही तक, भारत में अपने ही तरीके से धर्मनिरपेक्ष राज्य की ही परंपरा रहने के साक्ष्य हैं। इस परंपरा में शासक, अपने धर्म से भिन्न प्रजा की धार्मिक परंपराओं के प्रति वैरभाव रखना तो दूर, आम तौर पर उनका आदर किया करता रहा है और वास्तव में प्रजा की धार्मिक परंपराओं को, जहां तक हो सके खुद भी अपनाया करता था। इसी वास्तविक भारतीय पंरपरा को, ब्रिटिश राज के संदर्भ में विकसित हुई सुधार आंदोलनों तथा अंततरू राष्ट्रीय आंदोलन की परंपरा ने आगे बढ़ाया और स्वतंत्र भारत के लिए एक ऐसे धर्मनिरपेक्ष संविधान के रूप में इसे मूर्त रूप दिया, जो न सिर्फ जाति-धर्म-भाषा आदि के विभाजनों से ऊपर उठकर, सभी के लिए समान अधिकारों की गारंटी करता है बल्कि सभी कमजोर तबकों तथा तमाम अल्पसंख्यकों के लिए विशेष प्रावधान भी करता है, ताकि बराबरी को वास्तविक बनाया जा सके। इसी समूची विकासधारा के विरोधी स्वर के रूप में, ब्रिटिश सामराजी इतिहास दृष्टिइ ने, भारत में हिंदू और मुस्लिम, दो विरोधी राष्ट्रों की मौजूदगी के विचार के बीज बोए और सभी भारतीयों का प्रतिनिधित्व करने की दावेदार कांग्रेस के नेतृत्ववाली राष्ट्रीय धारा के विपरीत, अकेले-अकेले मुस्लिम और हिंदू संप्रदायों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाले संगठनों को बढ़ावा देने के जरिए, सामराजी हुकूमत ने संप्रदाय आधारित परवर्जी राष्ट्र की इन कल्पनाओं को पाला-पोसा। इसी क्रम में सावरकर ने हिंदुत्व के नाम से, हिंदू धार्मिक परंपराओं से नितांत भिन्न, एकांगी हिंदू पहचान पर आधारित, परवर्जी राष्ट्र की अपनी संकल्पना पेश की, जिसे गोलवलकर ने हिटलर के नाजी मॉडल से जोड़कर और नरसंहारकारी रूप से सांप्रदायिक बना दिया। दूसरी ओर, मुस्लिम लीग के नेतृत्व में पाकिस्तान के रूप में एक अलग मुस्लिम राष्ट्र की मांग उठाई गई। ब्रिटिश हुकूमत की मदद से, मुस्लिम लीग तो अलग पाकिस्तान बनवाने में कामयाब हो गई, लेकिन उसके हिंदू समकक्ष, हिंदू महासभा और आरएसएस की, शेष भारत पर नाजी मॉडल का अपना हिंदू राष्ट्र उर्फ हिंदुत्व थोपने की कोशिश को, भारतीय जनता ने, हिंदुओं के प्रचंड बहुमत के बावजूद, जोरदार तरीके से ठुकरा दिया। गांधी की हत्या की दुस्साहसिक करतूत के बाद तो, उनके लिए अस्तित्व बचाने का ही संकट पैदा हो गया था। उधर, 1971 में पाकिस्तान से टूटकर कर, बांग्लादेश के स्वतंत्र राष्ट्र बनने ने, धर्म पर आधारित राष्ट्र की अवधारणा को नकारते हुए, एक प्रकार से शेष भारत के अपनी परंपरा के अनुरूप, समावेशी तथा धर्मनिरपेक्ष बने रहने के निर्णय, के भारतीय जनता के हित में और इसलिए सही होने की ही पुष्टिइ की थी। यह दूसरी बात है कि अब हरिद्वार की अधर्म संसद की नरसंहार की पुकारों में, उसी नाजी मॉडल के हिंदुत्व की प्रतिध्वनि सुनाई दे रही है, जिसे स्वतंत्र भारत ही नहीं, समूचा भारतीय उप-महाद्वीप भी कई बार ठुकरा चुका है। दुर्भाग्य है कि इसके बावजूद, सबसे बढ़कर मुस्लिम-द्वेष पर टिकी सांप्रदायिक हिंदू राष्ट्र या हिंदुत्व की परियोजना, पिछले करीब पांच दशकों में भारत में ज्यादा से ज्यादा ताकतवर होती गई है और आज उसके हाथ देश की सत्ता तक पहुंच चुके हैं। इस संदर्भ में लोगों को न सिर्फ बार-बार याद दिलाने की जरूरत है कि यह सांप्रदायिक परियोजना समूची भारतीय जनता के हितों के खिलाफ है बल्कि बहुसंख्यक हिंदू समुदाय को भी यह बार-बार याद दिलाने की जरूरत है कि इस जनविरोधी धंधेबाजी की, हिंदुओं के हितों की दुहाई सरासर झूठी है और यह एक झूठी गढ़ंत है, जिसका वास्तविक हिंदू परंपराओं से, उसके इतिहास से कोई लेना-देना नहीं है और जो वास्तव में जातिवादी सोपानक्रम से हिंदू परंपराओं को मुक्त करने के संघर्ष को ही नकारने के जरिए, हिंदू धार्मिक परंपराओं पर सवर्ण प्रभुत्व को ही पुख्ता करती है। इस अर्थ में राहुल गांधी का इस पर जोर देना उपयोगी भी है और जरूरी भी कि हिंदुत्व के पीछे, हिंदू धर्म की एक गढ़ी हुई पश्चिमी कल्पना है, जिसका वास्तविक हिंदू परंपराओं से कुछ लेना-देना नहीं है बल्कि वह तो उनको नकारती ही है। लेकिन, इसके साथ ही इतने ही बलपूर्वक यह कहा जाना भी जरूरी है कि बहुसंख्यक हिंदुओं समेत, सभी भारतीयों के वास्तविक हितों की सुरक्षा, उसी धर्मनिरपेक्ष भारत की रक्षा करने में है, जो हिंदू परंपराओं समेत, वास्तविक भारतीय परंपराओं से निकला है और जिसे राष्ट्रीय आंदोलन ने एक राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। इस बहस को असली हिंदू बनाम नकली हिंदू की बहस तक ही ले जाकर छोड़ देना न सिर्फ अनुत्पादक साबित होगा बल्कि परवर्जी तरीके से इसे हिंदुओं तक सीमित कर के अंतिम विश्लेषण में, भारतीय राष्ट्र और हिंदू को समानार्थी बनाने के हिंदुत्व के प्रोजेक्ट को ही वैधता तथा ताकत देगा। दुर्भाग्य से राहुल गांधी समेत, अनेक कांग्रेस नेताओं की श्शमें सच्चा हिंदूश् की मुद्रा, अक्सर इसी गड्ढे में गिरती नजर आती है, जिससे बचा जाना चाहिए।

फिरोजपुर की स्थगित रैली तिल का ताड़ बनाया जा रहा है

उपेन्द्र प्रसाद

प्रधानमंत्री की एक रैली फिरोजपुर में होनी थी। उन्हें अपनी पार्टी के समर्थकों को संबोधित करना था। उसके पहले उन्हें विकास की अनेक परियोजनाओं की घोषणा करनी थी, लेकिन उनकी सभा नहीं हो सकी, क्योंकि वहां प्रधानमंत्री नहीं पहुंच पाए। वे चाहते तो वहां पहुंच सकते थे, लेकिन उसमें थोड़ा और समय लगता। थोड़ा और समय लगाने से बेहतर उन्होंने रैली को स्थगित कर देना ही उचित समझा और वे बिना भाषण किए दिल्ली वापस आ गए।उसके बाद दिल्ली से लेकर पंजाब तक हंगामा है कि प्रधानमंत्री को सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने में पंजाब सरकार विफल रही। इसके लिए भाजपा के नेता पंजाब की भाजपा सरकार की आलोचना कर रहे हैं। कुछ तो पंजाब की चन्नी सरकार को बर्खास्त कर देने की मांग तक कर रहे हैं। यह सच है कि रैली नहीं होना गलत है और यह भी सच है कि प्रधानमंत्री को सुरक्षित रास्ता उपलब्ध कराया जाना था, लेकिन इस पर जो हंगामा हो रहा है, वह गलत है। इसके लिए पंजाब सरकार की जो भारी आलोचना की जा रही है, वह गलत है। जिस तरह प्रधानमंत्री को विवश होकर वापस आना पड़ा, उसी तरह की विवशता पंजाब की पुलिस की भी रही होगी। दरअसल, पंजाब के किसान प्रदेश भर में आंदोलन कर रहे हैं और वे मांग कर रहे हैं कि तीन कृषि कानूनों के खिलाफ हुए आंदोलन के दौरान जिन पर मुकदमे किए गए, उन्हें वापस लिया जाय। पंजाब सरकार ने मुकदमे वापस लेने की बात मान भी ली है, लेकिन अन्य राज्यों में भी मुकदमे हुए हैं। वहां से भी सकारात्मक संकेत आ रहे हैं। किसानों की दूसरी मांग है कि आंदोलन के दौरान जिन लोगों की मौत हुई, उनके परिवार के लोगों को मुआवजा दिया जाय और उनके परिवार के सदस्यों को सरकारी नौकरियां दी जाय। न्यूनतम मूल्य समर्थन की उनकी मांग भी अपनी जगह पर

कायम है। उनकी ये मांगें केन्द्र सरकार से है। और वे आंदोलन कर रहे हैं। प्रदेश में अनेक स्थानों पर जब-तब सड़कें जाम कर दी जाती हैं। रेल लाइन को भी आंदोलन से कभी-कभी प्रभावित होना पड़ता है। वैसे ही माहौल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पंजाब के फिरोजपुर में वह सभा होनी थी। आंदोलन पहले से ही चल रहा है। और आंदोलनकारियों के निशाने पर नरेन्द्र मोदी ही हैं। जाहिर है, जब उनका कार्यक्रम बना, तो किसानों की मुखरता और भी बढ़ गई। पंजाब में भारतीय जनता पार्टी का आधार बहुत कमजोर है। वह गठबंधन करके ही चुनाव जीतती है। अकेले उसकी जीत का रिकॉर्ड बहुत ही खराब है। आम आदमी पार्टी के उदय ने उसके आधार को और भी कमजोर कर दिया है। एक तो आधार बहुत ही कम और दूसरी तरफ से बीजेपी का किसानों और उनके हमदर्दों द्वारा हो रहा भारी विरोध। इन दोनों के कारण वहां भाजपा की हालत बेहद पतली है। हालांकि कैप्टन अमरिंदर सिंह की नवगठित पार्टी के साथ उसका गठबंधन हो रहा है, पर यह ही नहीं पता है कि अमरिंदर सिंह की खुद राजनैतिक ताकत पंजाब में कितनी है, तो भाजपा को उससे कितना लाभ होगा, यह किसी को नहीं पता। पंजाब विधानसभा में भाजपा अपना खाता भी खोल पाएगी, इसके बारे में भी कोई दावे से नहीं कह सकता। चुनाव पूर्व सर्वेक्षण भी भाजपा को शून्य या इक्का दुक्का सीटें जीतने की भविष्यवाणी कर रहे हैं। अब जब भारतीय जनता पार्टी का वहां कोई समर्थक आधार ही नहीं है और जो कुछ लोग उसके समर्थन में हैं भी, वे भाजपा विरोधी माहौल के कारण चुप ही रहते हैं, इसलिए मोदी की प्रस्तावित सभा में लोग पहुंचे ही बहुत कम थे। वहां 70 हजार कुर्सियां लगाई गई थीं, लेकिन खबरों के अनुसार मुश्किल से 700 लोग ही पहुंचे थे। लोगों की कम उपस्थिति का एक कारण यह भी था कि आंदोलनकारी किसान भाजपा समर्थकों को उस सभा में जाने से रोक भी रहे थे। जाहिर है, कि माहौल बहुत तनावपूर्ण था। उसी तनावपूर्ण माहौल में प्रधानमंत्री ने बहुत ही आखिरी समय में अपना मार्ग बदलने का फैसला किया। वे भटिंडा में अपने हवाई जहाज से उतरे थे। वहां से वे हेलिकॉप्टर से सभा स्थल पर जाने वाले थे। प्रधानमंत्री की बात मानें, तो खराब मौसम के कारण उन्होंने सड़क मार्ग से जाने का फैसला किया। सड़क मार्ग से जाने में ज्यादा समय लगता और उस बीच कुछ और लोग सभा स्थल पर आ जाते और खराब मौसम का खतरा भी नहीं रहता। इसलिए सड़क मार्ग से जाने का उनका निर्णय गलत नहीं था। लेकिन सड़क पर जहां तहां भाजपा का विरोध हो रहा था। भाजपा समर्थकों को भी सभा स्थल पर जाने से रोका जा रहा था और उसी बीच प्रधानमंत्री ने खुद सड़क से जाने का फैसला कर लिया और वही हुआ, जो होना निश्चित था। आंदोलनकारी किसानों ने उनका रास्ता रोक दिया। हालांकि वे किसान कह रहे हैं कि वे वहां भाजपा समर्थकों को सभा स्थल पर जाने से रोकने के लिए एकत्र हुए थे और उन्हें पता नहीं था कि प्रधानमंत्री भी वहीं से गुजरने वाले हैं। उन्हें हटाने के लिए जब पुलिस ने प्रधानमंत्री के आने की बात की, तो उन्हें विश्वास नहीं हुआ। उन्हें लगा कि पुलिस झूठ बोलकर वहां से हटाना चाहती है, ताकि भाजपा समर्थकों का रास्ता साफ हो सके। मुख्यमंत्री के अनुसार प्रधानमंत्री की कार और किसानों के आंदोलन स्थल में एक किलोमीटर की दूरी थी, जाहिर है किसानों को पता ही नहीं होगा कि उनके नाम के कारण प्रधानमंत्री फ्लाइओवर पर फंसे हुए हैं। प्रधानमंत्री के काफिले के हटाने के लिए पुलिस बल का प्रयोग भी कर सकती थी, लेकिन उससे हिंसा फैलने की आशंका थी, इसलिए वैसा नहीं किया गया। शायद पुलिस को कुछ समय मिलता तो वे किसानों को समझा बुझा कर वहां से हटा देते, लेकिन प्रधानमंत्री ने पुलिस को और समय नहीं दिया और 15 से 20 मिनट का इंतजार कर वे वापस लौट आए। और उसके बाद हंगामा हो रहा है।इस मामले को ज्यादा तूल देने की जरूरत नहीं। राजनेताओं के विरोध होते रहे हैं। इन्दिरा गांधी को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में आंदोलनकारी छात्रों ने प्रवेश तक नहीं करने दिया था। और अनेक ऐसे मामले अतीत में मिल जाएंगे, जिनमें प्रधानमंत्री का रास्ता बाधित किया गया है। लोकतंत्र में ऐसा होता है। यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। सरकार के पास पुलिस बल होता है। वह चाहे, तो इस तरह के प्रतिरोध को कुचल दे, लेकिन राजनैतिक प्रक्रिया को पुलिस बल से कुचलना कोई अच्छी बात नहीं है। जब आंदोलनकारी हिंसक हो जाएं, तब तो इसे सही माना जा सकता है, लेकिन पंजाब के किसान अहिंसक आंदोलन कर रहे हैं और उनके खिलाफ गोली चलाना पहला क्या, दूसरा, तीसरा या चौथा विकल्प भी नहीं हो सकता। इसलिए किसी पर दोष लगाने से बेहतर है कि इस मामले को भुला दिया जाय। इसे यह सामान्य राजनैतिक प्रक्रिया का हिस्सा मान लिया जाय। पंजाब के कांग्रेस की सरकार है। कांग्रेस को भी चुनाव लड़ना है। उसे भी वोट चाहिए। फिर कोई कैसे उम्मीद कर सकता है कि कांग्रेस सरकार प्रधानमंत्री के लिए रास्ता साफ करने के लिए किसानों पर बल का प्रयोग करती। सुरक्षा देना पुलिस का काम है और प्रधानमंत्री की सुरक्षा बाधित हुई हो, वैसा कुछ दिख नहीं रहा।

आधार मतदाता कार्ड लिंकिंग से होंगी नई मुश्किलें

डॉ. अजीत रानाडे

संसद और राज्य विधानसभाओं के स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी संभालने वाले निर्वाचन आयोग पर भारत को गर्व है। चुनाव आयोग, स्वतंत्र और निष्पक्ष होने के लिए प्रतिष्ठित है जो सुनिश्चित करता है कि चुनाव में भाग लेने प्रत्याशियों को समान अवसर मिलें तथा लोग बिना किसी डर के मतदान करें। चुनाव आयोग की स्थापना भारत गणराज्य की घोषणा के एक दिन पहले यानी 25 जनवरी 1950 को हुई थी। चुनाव आयोग, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (रिप्रेजेन्टेशन ऑफ पीपुल्स एक्ट-आरपीए) में निहित कानूनी ढांचे के भीतर कार्य करने के लिए बाध्य है। केवल संसद को ही आरपीए में संशोधन करने का अधिकार है जो समय-समय पर किया जाता रहा है। पिछले 70 वर्षों में इसमें कई बार संशोधन किया गया है। एक उल्लेखनीय संशोधन अधिकरणों से उच्च न्यायालयों में चुनाव याचिकाओं का हस्तांतरण था। यही वजह थी कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की चुनाव याचिका पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई जहां 1975 में उनके चुनाव को शून्य और अवैध घोषित कर दिया गया था। फिर भी आरपीए में बड़े संशोधन बहुत लंबे समय से लंबित हैं। उदाहरण के लिए पिछले कई वर्षों से विधि आयोगों की विभिन्न सिफारिशें लागू नहीं की गई हैं। खुद चुनाव आयोग ने प्रधानमंत्री और भारत

सरकार को पत्र लिखकर यह सुनिश्चित करने को कहा है कि कुछ महत्वपूर्ण चुनाव सुधार कानून संसद से पारित किए जाएं लेकिन इस पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। आयोग के सबसे महत्वपूर्ण सुझावों में से एक आपराधिक उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराना रहा है। आरपीए में अयोग्यता का मापदंड बहुत कमजोर है और वह गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना करने वाले निर्वाचित सांसदों की बढ़ती संख्या पर रोक लगाने में विफल रहा है।

संसद द्वारा कोई कार्रवाई न किए जाने के कारण उच्चतम न्यायालय ने कुछ विसंगतियों को दूर करने के लिए कदम उठाए हैं । उसके आदेश की वजह से इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम)ध् मतपत्र पर नोटा (नन ऑफदी एबोव- उपरोक्त में से कोई भी नहीं) बटन आया। इस तरह हम सजायाफ्ता सांसदों को संसद में बैठने से तत्काल रोक सकते हैं भले ही उन पर चल रहा आपराधिक मामला अपील के लिए उच्च न्यायालय में गया हो। इसी तरह 2003 के निर्णय की बदौलत मतदाताओं को उम्मीदवारों के शपथ पत्र के कारण उनकी आपराधिक पृष्ठभूमि का पता चल जाता है। इनमें से कोई भी सुधार संसद द्वारा नहीं लाया गया था लेकिन उच्चतम न्यायालय ने जनहित याचिकाओं के माध्यम से ये सुधार किए हैं। राजनीतिक दलों को सूचना के अधिकार के दायरे में लाने की जनता की इच्छा आज भी अदालतों में लंबित है। यह भी एक महत्वपूर्ण सुधार है। जब संसद ने खुद चुनाव सुधार करने का काम किया है तो उसने अक्सर संदिग्ध इरादे से ऐसा किया है। इसका उदाहरण राजनीतिक वित्तपोषण की पारदर्शिता बढ़ाने के लिए चुनावी बांड शुरू करने का है। यह कानून दानदाता या प्राप्तकर्ता की पहचान बताने को पूरी तरह से नकारता है। शब्द श्पारदर्शिताश् का प्रयोग सरकार द्वारा जनता की सार्वजनिक व निजी गतिविधियों पर लगभग रोक लगाने के अर्थों में किया गया है। आरपीए पर संसद की कार्रवाई का एक और ताजा उदाहरण पिछले महीने पारित संशोधन है। यह चुनाव आयोग द्वारा जारी मतदाता पहचान पत्र के साथ आधार का लिंकेज है। इसे 20 दिसंबर को लोकसभा में बिना किसी चर्चा के पारित कर दिया गया। अगले दिन राज्यसभा में इस पर मतदान की जोरदार मांग के बावजूद इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। ध्वनिमत से पारित किए जाने के समय के वीडियो में विधेयक के जबरदस्त मुखर विरोध को स्पष्ट रूप से दिखाया गया है फिर भी यह पारित किया गया। जो भी हो, आधार कार्ड को मतदाता परिचय पत्र से जोड़ना कई कारणों से बहुत सी समस्याओं को जन्म दे सकता है। पहली बात तो यह है कि यह संशोधन सीधे तौर पर 2018 के सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का स्पष्ट खंडन करता है जिसमें साफ कहा गया था कि सभी नागरिकों के लिए आधार अनिवार्य नहीं है। केवल कल्याणकारी लाभ प्राप्त करने वालों के लिए व सिर्फ सीमित उद्देश्य के लिए आधार की अनिवार्यता की जा सकती है।

यह सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुना गया दूसरा सबसे लंबा मामला था जिसमें यह ऐतिहासिक निर्णय दिया गया था। दूसरा, आधार कार्ड नागरिकता का नहीं बल्कि पहचान का सबूत होने के लिए बनाया गया है। यह कभी भी एक नागरिक होने का सबूत तथा मतदान की पात्रता रखने का सबूत नहीं था। दरअसल, मतदाता सूची बनाना चुनाव आयोग की अहम जिम्मेदारी है और इसके दायरे से बाहर किसी दूसरी एजेंसी को आउटसोर्स नहीं किया जा सकता। आधार अथॉरिटी, चुनाव आयोग के नियंत्रण में नहीं है। मतदाता रिकॉर्ड को जोड़ने, हटाने और संशोधित करने की शक्ति निर्वाचक रजिस्ट्रेशन अधिकारी के पास है तथा भौतिक सत्यापन की अनिवार्यता से जुड़ा है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail: gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

भाकियू (तोमर) के राष्टीय अध्यक्ष का परवेज़ अख़्तर के यहां हुआ भव्य स्वागत

संवाददाता

स्योहारा। किसानों की आवाज़ को बुलन्द करने और उनके हक की लड़ाई लड़ने वाले गुट भारतीय किसान यूनियन ((तोमर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चो. संजीव तोमर का यहां मंडल उपाध्यक्ष हाजी परवेज़ अख़्तर के प्रतिष्ठान पर पहुंचने पर जोरदार स्वागत हुआ।

जहां बोलते हुए संजीव तोमर ने कहा कि देश भर में कहीं भी किसानों का शोषण बर्दास्त नही होगा और किसी भी दल या सरकार ने किसानों का शोषण किया तो उनको मुहतोड़ जंवाब दिया जाएगा।

ग्रुप में खड़े किसान नेता

वहीं मंडल उपाध्यक्ष परवेज़ अख़्तर ने कहा कि भाकियू एक अराजनीतिक संगठन है जिसको न किसी पार्टी को और न ही किसी नेता को समर्थन है हमारा मकसद केवल किसानों की लड़ाई लड़ना और उनका हक दिलाना हैं।

इस मौके पर जावेद अख़्तर, पवन त्यागी, निखिल चोधरी, खुर्शीद खा साब,दिलशाद आदि मौजूद रहे।

कैंसर का उन्नत उपचार : मैक्स हॉस्पिटल, शालीमार बाग़ की आधुनिक टेक्नोलॉजी एवं श्रेष्ठ विशेषज्ञों की टीम द्वारा

रोहतक। कैंसर के लिए उपलब्ध नवीनतम तकनीक और उन्नत उपचार विकल्पों के साथ, जागरूकता बढ़ाना महत्वपूर्ण है कि अब मैक्स अस्पताल, शालीमार बाग में नई तकनीक और कैंसर विशिष्ट विशेषज्ञों की मदद से सभी कैंसर और सभी चरणों का इलाज किया जा सकता है।

अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी, विशेष क्लिनिकल सुविधा और सर्वश्रेष्ठ डायग्नोस्टिक क्षमताओं के कारण मैक्स हॉस्पिटल, शालीमार बाग छोटे–से–छोटे कैंसर का पता लगाने में भी सक्षम है और साथ ही सबसे एडवांस्ड मामलों का भी यहां इलाज हो सकता है. अस्पताल का लक्ष्य उन क्षेत्रों में सर्वोत्तम कैंसर उपचार प्रदान करना है जहां कैंसर के उपचार और टेक्नोलॉजी की उपलब्धता पर्याप्त नहीं है।

यह अस्पताल रोहतक स्थित होली हार्ट हॉस्पिटल में ऑन्कोलॉजी परामर्श के लिए हर महीने ओपीडी भी चलाता है।

मैक्स हॉस्पिटल शालीमार बाग, नई दिल्ली में सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के सीनियर डायरेक्टर और विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र डबास ने कहा, मैक्स इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर केयर, मैक्स हॉस्पिटल, शालीमार बाग में हमारे पास अत्याधुनिक सर्जिकल टेक्नोलॉजी, दा विन्सी सर्जिकल रोबोट हैं। इस टेक्नोलॉजी की मदद से हम अत्यंत सटीकता के साथ कठिन से कठिन सर्जरी को सफल अंजाम देते हैं. इससे मरीज का रक्त की हानि कम से कम होती है, उसे अस्पताल में कम समय रुकना पड़ता है और रिकवरी तीव्र होती है।

मैक्स हॉस्पिटल शालीमार बाग, नई दिल्ली में ही मेडिकल ऑन्कोलॉजी के निदेशक डॉ. सज्जन राजपुरोहित ने कहा, कीमोथेरापी को कैंसर के इलाज का उपयुक्त विकल्प माना जाता है. हालांकि इम्युनोथेरापी और टारगेटेड थेरापी भी उचित विकल्प है जो बड़ी तेजी से कैंसर के इलाज का सबसे पसंदीदा विकल्प बनते जा रहा है।

इम्यूनोथेरेपी उन रोगियों के लिए अत्यधिक फायदेमंद है जो एक उन्नत चरण में भी अपने जीवित रहने की अवस्था को 30% तक बढ़ाकर उपचार चाहते है।

मैक्स हॉस्पिटल, शालीमार बाग में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के निर्देशक डॉ. राजेंद्र कुमार ने कहा, रेडिएशन थेरापी में हाल ही में हुई प्रगति से ऐसे कैंसरों का इलाज भी अब संभव हो गया है जिनका सर्जरी या कीमोथेरापी से इलाज नहीं हो सकता था। हम सर्जरी के बाद रेडिएशन थेरेपी के जरिये कैंसर की पुनरावृत्ति की संभावना खत्म कर सकते हैं और प्रभावित हिस्सों को पूरी तरह कैंसर मुक्त तथा दोहराव से मुक्त कर सकते हैं। रेडिएशन में हुई प्रगति से हम बाएं हिस्से के ब्रेस्ट कैंसर का भी इलाज कर सकते हैं और दिल को बिना नुकसान पहुंचाए सुरक्षित ट्रीटमेंट दे सकते हैं। रेडिएशन, सिर और गर्दन के कैंसर के ऐसे मरीजों के लिए वरदान साबित हुआ है जो इस तरक्की की बदौलत सामान्य जिंदगी में लौट सकते हैं।

चिकित्सकों के मुताबिक, भारत के पुरुषों और महिलाओं में समयपूर्व मृत्यु दर बढ़ने का एक प्रमुख कारण कैंसर है। देश में कैंसर के मामलों की बढ़ती घटनाएं इस रोग के प्रति लोगों में जागरूकता के अभाव को ही साबित करती हैं और शुरुआती जांच नहीं कराने से लोगों की जीवनशैली का स्तर कमजोर पड़ता जाता है। तेजी से बढ़ते उद्योगीकरण तथा साफ–सफाई की खराब व्यवस्था की वजह से हरियाणा में पिछले दो वर्षों से कैंसर से होने वाली मौतें 36 फीसदी तक पहुंच गई हैं और कैंसर से होने वाली मौतों में रोहतक उन शीर्ष चार जिलों में शुमार हो गया है जो भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सबसे आगे हैं।

तरक्की और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी में आए सुधार के कारण इस क्षेत्र का कोई भी मरीज अब आपात स्थिति में भी बहुत कम समय के अंदर मैक्स हॉस्पिटल शालीमार बाग पहुंच सकता है। मरीजों के लिए यह अतिरिक्त लाभ है जिससे न सिर्फ इलाज के लिए उपयुक्त विंडो अवधि की बचत होती है बल्कि उन्हें विश्व स्तरीय विशेषज्ञों की राय और सेवाएं भी मिल जाती हैं।

मैक्स हॉस्पिटल, शालीमार बाग में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के कंसल्टेंट डॉ. सुमीत अग्रवाल ने कहा, रोहतक में सर्वश्रेष्ठ कैंसर इलाज प्रदान करने के लिए मैक्स हॉस्पिटल, शालीमार बाग ने यहां के होली हार्ट हॉस्पिटल में साप्ताहिक ओपीडी सेवाएं शुरू की है। यहां डॉक्टर जांच रिपोर्ट की समीक्षा करते हैं और ट्यूमर बोर्ड की बैठक में मरीज के मामले पर चर्चा करते हैं जहां अत्यंत कुशल डॉक्टर एवं टेक्नोलॉजिस्ट रिपोर्ट का अध्ययन कर मरीज के लिए सबसे उपयुक्त उपचार विकल्प पर योजना के साथ आगे बढ़ते हैं।

आंकड़े बताते हैं कि विकासशील देशों में कैंसर के मामले बड़ी तेजी से बढ़ रहे हैं। लेकिन साथ ही कैंसर के इलाज में कई आधुनिक चिकित्सा पद्धतियां भी उपलब्ध हो गई हैं। हालांकि ज्यादातर लोग जानकारी के घोर अभाव तथा कैंसर के इलाज से जुड़े मिथकों के कारण इस तरक्की का लाभ नहीं उठा पाते हैं।

सन्दिग्ध परिस्थितियों में हुई बुजुर्ग की मौत,शव पीएम को भेजा

संवाददाता

स्योहारा। सोमवार की शाम ग्राम नोगरा निवासी छत्रपाल सिंह (72) पुत्र मुन्नू सिंह की सन्दिग्ध परिस्थितियों में उसी के घर पर मौत हो गयी,सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया था।

बताया जा रहा है कि मृतक छत्रपाल शराब का आदि था और सोमवार को इसी कारण उसकी मौत हो गई, घटना की कोई शिकायत पुलिस से नही की गई है।

सूर्या सिंह परिहार एवं अदिति का राष्ट्रीय युवा महोत्सव में नेहरू युवा केंद्र,प्रयागराज से हुआ चयन

संवाददाता

मेजा प्रयागराज। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में पुडुचेरी में 12 से 16 जनवरी 2022 तक होने वाले 25 वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव के लिए प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय,प्रयागराज से एमए प्रथम वर्ष की छात्रा सूर्या सिंह परिहार एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय,प्रयागराज से एमए प्रथम वर्ष की छात्रा अदिति का चयन नेहरू युवा केंद्र, प्रयागराज द्वारा प्रयागराज जनपद से किया गया। सुश्री जागृति पांडेय जिला युवा अधिकारी नेहरू युवा केंद्र, प्रयागराज एवं डॉ सच्चिदानंद त्रिपाठी जिला नोडल अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना, प्रयागराज एवं कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना लाला लक्ष्मी नारायण डिग्री कॉलेज सिरसा,प्रयागराज ने दोनों होनहार छात्राओं के चयन होने पर शुभकामनाएं दी और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास होता है जो राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। सूर्या सिंह परिहार एवं अदिति राष्ट्रीय सेवा योजना की सर्वश्रेष्ठ वॉलंटियर हैं।

विवेकानंद जयंती पर युवा महोत्सव आज कामनमैन सोशल वेल्फेयर सोसाइटी सांस्कृतिक प्रस्तुति पर करेगी युवाओं का सम्मान

संवाददाता

गोण्डा। स्वामी विवेकानंद की 159वीं जयंती पर कामनमैन सोशल वेल्फेयर सोसाइटी के तत्वावधान में 12 जनवरी को मालवीय नगर स्थित रामलीला मैदान में पूर्वाह्न 11 बजे से युवा महोत्सव का आयोजन किया गया है। सोसाइटी के अध्यक्ष अमर किशोर कश्यप व प्रबन्धक धीरेन्द्र पाण्डेय ने सोमवार को तैयारी समिति की बैठक में बताया कि युवा महोत्सव में जनपद के कला साहित्य शिक्षा व सांस्कृतिक क्षेत्रों में प्रतिभाशाली युवाओं को उनकी उत्कृष्ट प्रस्तुति व योगदान के लिए पुरस्कृत किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय के प्राचार्य रवीन्द्र कुमार पांडेय व विशिष्ट अतिथि सदर विधायक प्रतीक भूषण शरण सिंह व इंजी. सुरेश दूबे होंगे। इस मौके पर कृष्णानन्द त्रिपाठी, अनिल सिंह, जनार्दन सिंह,पंकज दूबे,सत्यदेव मिश्र, राजेश तिवारी, पंकज श्रीवास्तव, अनुपम प्रकाश मिश्र, चीकू तिवारी व इं. गंगा राम शुक्ल मौजूद रहे।

निर्माणाधीन गेस्ट हाउस में फ्री राशन बांटने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिलाओं की भीड़ देखकर सभी को वापस भेजा घर महिलाओं ने किया

संवाददाता, फर्रुखाबाद। नवाबगंज नवाबगंज कस्बा में मोहम्मदाबाद रोड स्थित एक गेस्ट हाउस में आज सुवह विधवा महिलाओं को फ्री राशन मिलने की सूचना पर काफी लोगों की भीड़ एकत्रित थी । बताया जाता है कि गनीपुर बंजारा ,बस्ती जाफर नगर ,नगला झब्बू सिंह एवं अन्य गांव के महिलाओं को वृद्ध एवं विधवा महिलाओं को निशुल्क राशन का 2 दिन पूर्व क्षेत्र के एक युवक और आंगनबाड़ी सहायिकाओं द्वारा कूपन जारी किए गए थे। सुवह अचानक एक सैकड़ा से ज्यादा विधवा महिलाएं मोहमदाबाद रोड स्थित एक गेस्ट हाउस पर इकट्ठा हो गई ।एक भाजपा नेता द्वारा थाना पुलिस को आचार संहिता उल्लंघन और फ्री राशन बांटने की सूचना देने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पहले राशन से लदी गाड़ी और लोग वहां से जा चुके थे ।केवल महिलाओं की भीड़ थी ।पुलिस ने समझा-बुझाकर महिलाओं को वापस घर भेजा और गेस्ट हाउस निर्माणाधीन पर काम कर रही लेबर और उनके मालिक को बुलाकर पूछताछ की ।मालिक द्वारा बताया गया कि उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है । कुछ लोग आए जिन्हें वह जानते थे। वह बोले कि राशन वितरण करना है। उन्होंने उसकी परमिशन दे दी। फिलहाल पुलिस ने उक्त राशन वितरण करने वाले लोगों को बुलाकर थाने पर पूछताछ की है। थाना अध्यक्ष सत्यप्रकाश ने बताया कि लोग कोरोना काल में एनजीओ के माध्यम से विधवाओं को निशुल्क राशन वितरण करते हैं । उनके द्वारा प्रपत्र उपलब्ध कराए गए थे ।

प्रकोष्ठ उत्तराखंड बने हिंदू अनिल मिश्रा

संवाददाता

लखनऊ। हिन्दू देव प्रकाश शुक्ला संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय युवा वाहिनी परिवार में हिन्दू अनिल मिश्रा जी को प्रदेश प्रभारी उत्तराखंड की जिम्मेदारी सौंपी जाती है हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप तन मन पूरे जिले में संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे आपके मनोनयन पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संरक्षक श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर रामदास जी महाराज एवम राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय युवा वाहिनी हिंदू देव प्रकाश शुक्ला राष्ट्रीय महासचिव डॉ राजीव लोचन शुक्ला राष्ट्रीय संयोजक प्रकाश मिश्रा जी राष्ट्रीय शासन प्रभारी श्यामानंद राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पुलकित आनंद राष्ट्रीय प्रभारी अजय गोस्वामी हिंदू पंडित हृदेश शर्मा राष्ट्रीय अध्यक्ष गौ प्रकोष्ठ राष्ट्रीय सलाहकार बलराम सिंह यादव राष्ट्रीय अध्यक्ष लीगल सेल एच एन मिश्रा राष्ट्रीय सचिव राजन मिश्रा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अभिषेक राष्ट्रीय राष्ट्रीय सचिव संस्कृति प्रकोष्ठ मनोज पाठक हिन्दू अनुराग तिवारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हिन्दू प्रशांत नीलकंठ अंबेडकर राष्ट्रीय अध्यक्ष विकलांग प्रकोष्ठ अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ रोशनी शुक्ला राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपिका मिश्रा उत्तर प्रदेश प्रभारी दीपिका वर्मा विजय सागर सोनी मंडल प्रभारी कानपुर राजीव मिश्रा प्रदेश सचिव उत्तर प्रदेश सभी पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया सभी लोगों ने आशा व्यक्त की आप संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे हम सभी आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

विष्णु सहस्त्रनाम का हुआ आयोजन

संवाददाता

गोण्डा। नगर पंचायत परसपुर में पांच दिवसीय महामृत्युंजय एवं विष्णु सहस्त्रनाम का आयोजन पत्रकार व समाजसेवी महेश गुप्ता ने किया। समाज कल्याण व शान्ति के साथ संकट निवारण की भावना से आयोजित इस आध्यात्मिक आयोजन में श्रद्धालु नगरवासियों ने भाग लिया। अयोध्या के रामघाट स्थित सीताराम सेवा ट्रस्ट के महन्त अरुणदास महराज के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में वैदिक विद्वान आचार्य कल्पनाथ शास्त्री, श्रीकान्त तिवारी,राजन चौबे एवं आचार्य नित्यानंद तिवारी ने वैदिक रीति से अनुष्ठान किया। मंगलवार को पूर्णाहुति में यज्ञाचार्य अरुणदास ने महामारी के खत्म होने के साथ विश्व कल्याण की कामना की। पूर्णाहुति में मुख्य यजमान पत्रकार महेश गुप्ता, सुरेश गुप्ता, मस्तराम, विशाल, आराधना, कृष्णा, माही, अनीता, वंदना, रजनी, मनोज व संजय गुप्ता शामिल रहे।

पूर्व चेयरमैन की हत्या में सपा के पूर्व सांसद रिजवान जहीर बेटी दामाद सहित गिरफ्तार

संवाददाता

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश बलरामपुर जनपद के तुलसीपुर नगर पंचायत के पूर्व चेयरमैन फिरोज और पप्पू की हत्या में सोमवार को बलरामपुर के पूर्व सांसद रिजवान जहीर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। हत्या के मामले में पुलिस ने रिजवान जहीर की बेटी जेबा रिजवान और दामाद रमीज सहित तीन अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया है।

समाजवादी पार्टी के पूर्व चेयरमैन फिरोज उर्फ पप्पू की 6 दिन पहले जरवा रोड स्थित उनके आवास से कुछ दूरी पर घात लगाकर बैठे नकाबपोश बदमाशों ने गला रेत कर बेरहमी से हत्या कर दी थी, हत्या के तुरंत बाद बलरामपुर के पुलिस अधीक्षक हेमंत कुटियाल ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली थी। वह इस मामले में गिरफ्तार तीन अन्य आरोपियों का चिकित्सकीय परीक्षण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुलसीपुर में कराया गया है। हत्या के खुलासे के लिए 10 टीमें लगाई गई थी सोमवार को मामले का खुलासा करते हुए बलरामपुर के पुलिस अधीक्षक हेमंत कुटियाल ने बताया कि घटना के खुलासे के लिए पुलिस की 10 टीमें लगाई गई थी उन्होंने बताया कि 250 सीसीटीवी की डिटेल के आधार पर और सर्विलांस के जरिए मामले का खुलासा हुआ।

राजनीति में बढ़ता वर्चस्व बना हत्या का कारण फिरोज अहमद उर्फ पप्पू बहुत ही मिलनसार व्यक्ति थे उनकी बढ़ती लोकप्रियता से विपक्षियों के हौसले पस्त हो रहे थे7 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव में तुलसीपुर से समाजवादी पार्टी के प्रबल दावेदार माने जा रहे थे यही बात रिजवान जहीर को खटक रही थी। वर्तमान में फिरोज की पत्नी कहकशां फिरोज समाजवादी पार्टी से तुलसीपुर की चेयरमैन है।

एसपी हेमंत कुटियाल ने बताया कि रिजवान जहीर के करीबी मैराजुल उर्फ मामा व महफूज को हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

चुनाव आचार संहिता लगने पर भी कर्मचारी करो या मरो की स्थिति में डटे रहे

संवाददाता

❏ जल्द ही कर्मचारियों के समायोजन को लेकर राज्यपाल को देंगे ज्ञापन– सुरेश त्रिपाठी, प्रान्तीय महामंत्री

लखनऊ। ईरीगेशन डिपार्टमेंट इम्पलाइज एसोसिएशन द्वारा भयावह सर्दी व बरसात के बावजूद धरना जारी रहा साथ ही प्रान्तीय महामंत्री सुरेश त्रिपाठी ने बताया कि हमारा अनिश्चितकालीन धरना जारी है और अब आर-पार की लड़ाई लड़ने का समय आ गया हैं और अब विभागाध्यक्ष हम सब को करो या मरो का निर्णय लेने के लिए मजबूर कर रहे हैं । आज राज्यपाल महोदया को गरीब श्रमिकों के समायोजन का ज्ञापन रजिस्टर डाक द्वारा भेज दिया गया है , हमारी मुखिया होने के नाते उनके संज्ञान में डालना हमारा कर्तव्य है और हम कर्मचारियों की ओर उनसे समायोजन का निवेदन करेंगे और विभागाध्यक्ष की हठधर्मिता को कहेंगे जिस प्रकार से आश्वासन पर आश्वासन दिया जा रहा था लेकिन समायोजन के संदर्भ में कोई आदेश नही आ रहा है शर्मनाक विषय है और हम जल्द ही इस विषय को लेकर यदि आवश्यकता पडी तो कर्मचारियों के हित में हर संभव कदम उठाने को तैयार है लेकिन समायोजन की मांग जब तक पूर्ण नही होगी हमारा धरना, प्रदर्शन, घेराव हर सम्भव कदम उठाने को कर्मचारी विवश है इन गरीब कर्मियों के समायोजन/पुनर्स्थापन के लिए हम आवश्यकता पड़ी तो मरने को भी तैयार है जिसकी जिम्मेदारी विभागाध्यक्ष बी.के.निरंजन महोदय की होगी और यदि हमारा समायोजन कर देते है तो हमें इस बात पर भी गर्व होगा कि हम गरीबों को न्याय दिलाने के लिए सम्बंधित अधिकारियों ने हमारा साथ दिया नही तो भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के जिलाध्यक्ष सरदार गुरमीत सिंह का सहयोग हमें प्राप्त है हम आर पार की लड़ाई लड़ेगे परिणाम कुछ भी हो किसान मजदूर अब एक मंच पर आ चुके हैं विधिवत लड़ेगे और इतिहास रचकर दिखायेंगे , अब हम सब करो या मरो की स्थिति लाने के निर्णय लेने के लिए विभागाध्यक्ष वी के निरंजन मजबूर कर रहे हैं , इस अवसर पर मुख्य रूप से , भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के जिला अध्यक्ष सरदार गुरमीत सिंह , सरदार दिलराज सिंह , नगर अध्यक्ष फहीम सिद्दीकी वरिष्ठ किसान नेता राजकुमार यादव , व किसान नेता राम सागर पासी , व ईरीगेशन डिपार्टमेंट इम्पलाइज यूनियन के प्रान्तीय महामंत्री सुरेश कुमार त्रिपाठी, ओमप्रकाश मिश्र व गणेश सक्सेना , रविन्द्र सिंह पूनम सक्सेना , रविन्द्र कुमार जायसवाल आदि बहुत सारे कर्मचारी उपस्थित रहे हैं।

निशुल्क वैक्सीनेशन कैंप आयोजित

लखनऊ। लखनऊ व्यापारी एसोसिएशन द्वारा कोरोनावायरस से बचाव हेतु लखनऊ शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निशुल्क वैक्सीनेशन कैंप आयोजित किया जा रहा है । इसी क्रम में लखनऊ व्यापारी एसोसिएशन द्वारा दिनांक 11 जनवरी 2022 को संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष अतहर सिद्दीकी प्रबंधक समर पब्लिक इंटर कॉलेज चांदन रोड में 15 से 18 साल के बच्चों के लिए निशुल्क वैक्सीनेशन कैंप आयोजित किया गया। इस अवसर पर काफी संख्या में स्कूली बच्चों ने एवं आसपास के बच्चों ने अपना वैक्सीनेशन कराया। इस अवसर पर संगठन की ओर से प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिन्हा प्रदेश उपाध्यक्ष अतहर सिद्धकी प्रदेश महासचिव विकास मिश्रा प्रदेश संगठन मंत्री अशोक यादव प्रदेश संयुक्त मंत्री अकील अहमद नगर अध्यक्ष चित्रांशु राय अमराई गांव अध्यक्ष अजमल चांद इंदिरा नगर अध्यक्ष देवेंद्र श्रीवास्तव एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

नफरत की बात करने वाले अपने धर्म,समाज और देश के दुश्मन हैं: मौलाना इरशाद कासमी

बीकानेर। माँ रोटी बैंक की पाँचवी वर्षगाँठ के मौके पर जहाँ गरीब और कमजोर लोगों को कम्बल वितरित किये गए साथ ही कौमी एकता और सद्भावना का संदेश भी दिया गया, प्रोग्राम में पधारे सन्तोषनन्द महाराज ने कहा कि मानवता सबसे बड़ा धर्म है,हम सबसे पहले इंसान है,उन्होंने बीकानेर की गंगा-जमुनी संस्कृति के साथ जीवन को यापन करने का आह्वान किया, जमीअत उलमा राजस्थान के सचिव मौलाना मोहम्मद इरशाद कासमी ने कहा कि हर धर्म प्यार और मोहब्बत का संदेश देता है किसी मे भी जुल्म और नफरत की गुंजाईश नही है, हमारे देश के नागरिक मजहब और धर्म मे आस्था रखते हैं इसलिए हर धर्म के धार्मिक लोगों को आगे आकर इस नफरत के वातावरण को खत्म करना होगा, साथ ही मुल्क की खूबसूरती सभी वर्ग के लोगों के एकसाथ रहने में ही है, जो नफरत की बात करते हैं वो अपने समाज, देश और धर्म के दुश्मन हैं, डॉक्टर गुरवीर सिंह,एडवोकेट धर्मेंद वर्मा ने कहा कि हमारा भाई-चारा कभी खत्म नही होगा, इकबाल संस्थापक माँ रोटी बैंक ने आखिर में सभी मेहमानों का शुक्रिया अदा किया, इस मौके पर हाजी इकबाल समेजा, डी.पी.पच्चीसिया,हाजी अब्दुल मजीद खोखर,लियाकत साहब, डॉक्टर दीपक स्वामी, रामेश्वर लाल जाखड़, सुनीता तनेजा,सिंधी समाज के युवा अध्यक्ष साजिद भुट्टा,शफी-काजी आदि मौजूद थे।

चकरोड कब्जेदार पर चला एसडीएम का चाबुक

संवाददाता

❏ न्यायप्रिय एसडीएम स्वाति शुक्ला के निर्देश पर सक्रिय दिखे राजस्व कर्मी
❏ एसडीएम स्वाति शुक्ला के आदेश पर राजस्व व पुलिस टीम ने 2 घंटे में खाली कराया चकरोड
❏ पीड़ित बोला ऐसे ईमानदार व न्यायप्रिय एसडीएम हर तहसील में हों

हरदोई। बर्षों से न्याय के लिए दर दर भटक रहे अल्हागंज थाना क्षेत्र के ग्राम अशरफपुर निवासी राजवीर की 5 बीघा जमीन पाली थाना क्षेत्र के चकौती खुर्द गांव में है । राजवीर ने मंगलबार को तहसील में एसडीएम स्वाति शुक्ला को दिए गये प्रार्थना पत्र में बताया बर्षों से हमारे खेत मे जाने के लिये चकरोड पर गांव के ही लोग कब्जा किये हैं । कुछ समय पहले पूर्व में रहे नायब तहसीलदार में राजस्व टीम के साथ जाकर चकरोड से कब्जा छुड़बाया था । लेकिन गांव के ही दबंग बब्लू सिंह ने पुन: कब्जा कर लिया । चकरोड पर कब्जा होने के कारण वह अपने खेत में नहीं जा पा रहा है न ही खेत मे खड़ी गन्ना की फसल को मिल तक ले जा सकते हैं । शिकायत पर एसडीएम स्वाति शुक्ला ने लेखपाल कानूनगों की टीम को समस्या के तत्काल निदान के लिये निर्देश दिए।एसडीएम के निर्देश के महज 2 घण्टे में राजस्व टीम व पाली पुलिस ने मौके पर पहुंच कर दबंगों के कब्जे से चकरोड पर खड़े गेंहूँ को जुतवाकर चकरोड कब्जा मुक्त कराया । एसडीएम ने कहा कि सरकारी नाली, खड़ंजा एवं तालाबों आदि पर किसी भी स्थान पर अवैध कब्जे नहीं होने दिए जाएंगे। सरकारी संपत्ति पर कब्जा करने वालो के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

कोविड टीकाकरण में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया

संवाददाता

हरदोई। नेहरू म्युनिसिपल कन्या इण्टर कालेज में मंगलवार को मेगा वैक्सीनेशन कैंप लगाया गया, जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की टीम विशेष रूप से शामिल रही। कोरोना से बचने के लिए स्कूल के 15 से 18 साल के बच्चों ने पूरे जोश के साथ टीका लगवाया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से बी एच डब्ल्यू अनुराधा सक्सेना एवं शिवानी कुमारी उपस्थित रहीं। प्रधानाचार्या नूरुल हुमा ने टीकाकरण टीम का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि खुद व परिवार को स्वस्थ रखने के लिए सबको आगे आकर टीका लगवाना चाहिए। प्रधानाचार्या ने टीकाकरण टीम का धन्यवाद किया। इस शिविर में भारत विकास परिषद के अध्यक्ष अम्बरीष कुमार सक्सेना ने बताया कि कोरोना महामारी से बचाने के लिए सरकार द्वारा किशोरों का टीकाकरण कराया जाना सराहनीय कदम है।कहा कि कोरोना के कारण देश और विदेश में काफी लोगों की मौत हो चुकी है। किशोरों को इस महामारी से बचाने के लिए टीकाकरण और सावधानी ही एक मात्र उपाय है। उन्होंने शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी सभी को टीकाकरण कराने की अपील की।कहा कि सभी को कोरोना से बचने के लिए कोविड नियमों का पालन करना चाहिए। श्री सक्सेना ने बताया कि सामाजिक दूरी का पालन और मास्क की अनिवार्यता से इससे बचा जा सकता है। उन्होंने अभिभावकों से अनुरोध किया कि अभिभावक अपने 15 से 18 वर्ष तक की आयु के किशोरों का टीकाकरण अवश्य करायें। अनुराधा सक्सेना ने बताया कि अब टीकाकरण टीम को प्रत्येक स्कूल में भेजकर हम शीघ्र ही 15 से 18 वर्ष की आयु के युवाओं को कोविड वैक्सीन की प्रथम खुराक से संतृप्त कर देंगे।

प्रियंका गाँधी कानपुर से विधानसभा का चुनाव लड़े: इखलाक अहमद डेविड

कानपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं 216 छावनी विधानसभा के आवेदक इखलाक अहमद डेविड ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस कार्यकर्ताओं व प्रदेश की जनता की हृदय से इच्छा है कि प्रियंका गाँधी उत्तर प्रदेश विधानसभा का चुनाव लड़े जो 32 वर्षों से प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकती है कानपुर में कांग्रेस भाजपा को कई बार हरा चुकी है। प्रदेश की सत्ता में वापसी के लिए प्रियंका गाँधी के कानपुर नगर की किसी भी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने से कानपुर नगर व कानपुर देहात के साथ अवध क्षेत्र की असंख्यक विधानसभा की सीटो पर जीत हासिल की जा सकती है कांग्रेस मजबूत होगी और जिस तरह से 50 प्रतिशत आबादी वाली महिलाओं का रुझान कांग्रेस की तरफ बढ़ रहा है वो पार्टी के लिए अच्छा संकेत है उनके हक की आवाज बुलंद कर प्रियंका गाँधी ने भाजपा सपा बसपा सभी को नीद से जगा दिया जो महिलाओं को तवज्जो देने से कतराते थे वो भी उनको हक देने की बात करने लगे है। प्रियंका गाँधी के विधानसभा चुनाव लड़ने से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में निश्चित तौर पर जोश का संचार होगा इखलाक अहमद डेविड ने ई-मेल, स्पीड पोस्ट ट्विटर के माध्यम से प्रियंका गाँधी को पत्र भेजकर कानपुर की किसी विधानसभा से चुनाव लड़ने का अनुरोध किया।

ईशा गुप्ता

की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव, पोस्ट शेयर कर दी सेहत की जानकारी

मनोरंजन जगत से हर रोज सितारों के कोरोना वायरस (Coronavirus) से संक्रमित होने की खबर आ रही है. रविवार को ही काम्या पंजाबी (Kamya Punjabi), नफीसा अली, अरिजीत सिंह (Arijit Singh) और बाहुबली के कटप्पा यानी सत्यराज (Sathyaraj) के कोरोना पॉजिटिव होने की जानकारी सामने आई थी. अब कोरोना संक्रमित सितारों की लिस्ट में नया नाम ईशा गुप्ता (Esha Gupta) का है. जी हां, बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा गुप्ता भी कोरोना वायरस (Esha Gupta Covid Positive) की चपेट में आ गई हैं. इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दी है. साथ ही अपने संपर्क में आए लोगों से टेस्ट कराने की अपील की है.

ईशा गुप्ता ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि वह भी कोरोना की चपेट में आ गई हैं. उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी के जरिए फैंस को ये खबर दी है और साथ ही इस बात की भी उम्मीद जताई है कि वह जल्दी ही ठीक भी जाएंगीं. एक्ट्रेस के इस जानकारी को साझा करते ही उनके फैंस उनके लिए दुआएं कर रहे हैं.

ईशा ने अपने पोस्ट में लिखा है- 'पूरी सावधानी बरतने के बाद भी मैं कोरोना वायरस से संक्रमित हो गई हूं. मैं सभी कोरोना प्रोटोकॉल्स का पालन कर रही हूं और मैंने खुद को अपने घर में क्वारंटीन कर लिया है. मुझे उम्मीद है कि मैं पहले से भी ज्यादा मजबूत बनकर वापस आऊंगी. आप सभी से निवेदन है कि सुरक्षित रहें और मास्क जरूर पहनें. अपना पूरा ध्यान रखें और मास्क को ऊपर करना ना भूलें.'

इससे पहले भी कई सितारे कोरोना की तीसरी लहर में महामारी की चपेट में आ चुके हैं, जिनमें से कुछ ठीक हो चुके हैं तो कुछ की जंग अभी भी जारी है. इनमें करीना कपूर, महीप कपूर, शनाया कपूर, अर्जुन बिजलानी, नकुल मेहता, जानकी पारेख, अर्जुन कपूर, सीमा खान, अमृता अरोड़ा, स्वरा भास्कर, प्रेम चोपड़ा और उनकी पत्नी उमा चोपड़ा जैसे कई सितारे शामिल हैं. महामारी के चलते फिल्मों की शूटिंग और रिलीज डेट भी एक बार फिर प्रभावित होने लगी हैं.

ईशा गुप्ता (Esha Gupta) ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि वह भी कोरोना की चपेट में आ गई हैं. उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी के जरिए फैंस को ये खबर दी है और साथ ही इस बात की भी उम्मीद जताई है कि वह जल्दी ही ठीक भी जाएंगीं.

आयुष शर्मा ने बताया करियर प्लान, मस्ती भरी लव स्टोरी में करना चाहते हैं काम

भाईजान (Salman Khan) के जीजा और एक्टर आयुष शर्मा (Aayush Sharma) बीते दिनों अपनी फिल्म अंतिम द फाइनल ट्रुथ' (Antim: The Final Truth) को लेकर काफी चर्चा में रहे. दर्शकों को उनकी ये फिल्म काफी ज्यादा पसंद आई. आयुष ने इस फिल्म में अपनी एक्टिंग से लोगों के दिलों में पहचान बना ली है. इस बीच हाल ही में उनका एक इंटरव्यू सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. जिसमें वो अपनी हालिया रिलीज़ फिल्म पर बात करते नज़र आ रहे हैं. साथ ही उनके करियर प्लान के बारे में भी उन्होंने बताया.

आयुष (Aayush Sharma) ने कहा, मुझे बॉलीवुड से प्यार है और मैं किसी भी एक कैटिगरी या जॉनर में नहीं रहना चाहता और न ही मैं एक बॉक्स में बंद रहना चाहता हूं. मैं कॉमेडी, रोमांस, इंटेंस लव स्टोरी और एक्शन सहित हर चीज को एक्सप्लोर करना चाहता हूं. उन्होंने आगे कहा कि वो लवयात्री जैसी मजेदार लव स्टोरी करना पसंद करेंगे, जो लोगों को हंसाए. यह एक पॉपकॉर्न एंटरटेनर जैसा है, जिसे लोग बिना किसी तनाव के देख सकते हैं.

एक्टर आयुष शर्मा (Aayush Sharma) ने कहा, मैं एक पीरियड फिल्म भी करना पसंद करूंगा. मुझे लगता है कि इतिहास में वापस जाना काफी चुनौतीपूर्ण होगा. मैंने अपना हॉरीजन हर चीज के लिए खोल दिया है. मेरे लिए यह तय करना जल्दबाजी होगी कि मैं किसमे अच्छा हूं और उस पर कायम रहूंगा. अंतिम में राहुलिया जैसे किरदार को निभाने का मौका मिलने की संभावना बहुत कम है. यह किरदार इतना दमदार था, जो बहुत कम फिल्मों में ऑफर होता है. आयुष (Aayush Sharma) का कहना है कि वो खुद के किरदार को बार-बार नहीं दोहराएंगे. एक कलाकार के नाते रास्ते में कुछ गलतियां जरूर करूंगा, लेकिन उनका लक्ष्य होगा कुछ सीखने का और आगे बढ़ने का.

बता दें कि आयुष ने साल 2018 में आई फिल्म लवयात्री (Loveyatri) से फिल्मी दुनिया में कदम रखा. ये एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म थी, जिसे अभिराज मीनावाला ने डायरेक्ट किया है. जबकि इसका प्रोडक्शन सलमान खान ने ही किया है. हालांकि, ये फिल्म दर्शकों को कुछ खास पसंद नहीं आई. ऐसे में इसका जादू पर्दे पर नहीं चला.

Bhool Bhulaiyaa 2: विद्या बालन फिर बनेंगी मंजुलिका, निर्देशक अनीस बज्मी ने किया कंफर्म

बॉलीवुड की 'शेरनी' यानी विद्या बालन (Vidya Balan) ने अपने करियर में कई बार ऐसे किरदार निभाए हैं, जिसके कारण लोग उनकी अदाकारी के दीवाने हैं. साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म 'भूल भुलैया' याद है आपको, जिसमें विद्या ने 'मंजुलिका' बन लोगों के होश उड़ा दिए थे. एक बार फिर लोगों के रोंगटे खड़े करने के लिए विद्या तैयार हैं. विद्या, कार्तिक आर्यन, कियारा आडवाणी और तब्बू की फिल्म 'भूल भुलैया 2' (Bhool Bhulaiyaa 2) में नजर आएंगी. हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूल भुलैया 2' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

नवंबर में रिलीज होगा 'भूल भुलैया 2'

'भूल भुलैया (Bhool Bhulaiyaa)' 2007 में रिलीज हुई थी. इस फिल्म में अक्षय कुमार और विद्या बालन लीड रोल में थे. शाइनी आहूजा, अमीषा पटेल , परेश रावल और राजपाल यादव भी महत्वपूर्ण भूमिका में थे. 'भूल भुलैया 2' (Bhool Bhulaiyaa 2) पिछले साल जुलाई में रिलीज होने वाली थी, लेकिन कोरोना के चक्कर में फिल्म की शूटिंग नहीं हो सकी और फिल्म की रिलीज पर ब्रेक लग गया. अब इस मेकर्स इस साल नवंबर में फिल्म को रिलीज करने का प्लान कर रहे हैं.

Bhool Bhulaiyaa w में 'मंजुलिका'

मिड डे की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के निर्देशक अनीस बज्मी ने कंफर्म किया है कि 'मंजुलिका' उनका सबसे पसंदीदा किरदार है और अगर फिल्म भूल भुलैया है तो निश्चित ही वो भूल भुलैया 2 में दिखाई देंगी. इस बार की कहानी भूतों पर है. मेकर्स फ्रेंचाइजी को रिवाइव करना चाहते थे इसलिए उन्होंने वहीं नाम चुना है.

Parineeta से किया बॉलीवुड करियर का शुरुआत

टीवी के हिट शो 'हम पांच' से घर घर में अपनी खास पहचान बनाने वाली विद्या ने एक कल्ट रोमांटिक फिल्म 'परिनीता (Parineeta)' से अपने बॉलीवुड करियर का शुरुआत की. इस फिल्म में उनके साथ संजय दत्त और सैफ अली खान नजर आए थे.

'शेरनी' से सुर्खियों में रहीं विद्या

आपको बता दें कि विद्या हाल ही में फिल्म 'शेरनी' को लेकर सुर्खियों में रहीं. मनुष्य और पशुओं के बीच टकराव और समाज में राजनीतिक दखलअंदाजी वाली फिल्म 'शेरनी' में विद्या बालन ने वन अधिकारी विद्या विन्सेंट का रोल प्ले कर एक बार फिर अपनी दमदार अदायगी दिखाई.

कपिल शर्मा को गिन्नी से शादी लगती थी नामुमकिन, बोले- मेरी कमाई से ज्यादा थी उसकी कार की कीमत

पॉपुलर कॉमेडियन कपिल शर्मा (Kapil Sharma) जल्द ही नेटफ्लिक्स पर डेब्यू करने वाले हैं. इस शो में भी कपिल लोगों जमकर हंसाने वाले हैं. कपिल का यह स्टैंड अप कॉमेडी शो (Kapil Sharma Stand up Comedy) 28 जनवरी से स्ट्रीम होने वाला है. इस शो के कुछ प्रोमो सोशल मीडिया में तेजी के साथ वायरल हो रहा है. कपिल ने यह मुकाम अपनी कड़ी मेहनत से पाया है. अपने करियर के दौरान कपिल कई बार कंट्रोवर्सी के भी शिकार हुए. यहां तक कि ऐसी भी खबरें सामने आई कि वह कुछ समय के लिए डिप्रेशन में भी चले गए थे, मगर फिर भी उन्होंने कभी हार नहीं मानी. हाल में, दिए गए एक इंटरव्यू में कपिल शर्मा (Kapil Sharma Latest Interview) ने अपने संघर्ष के दिनों को याद किया.

कपिल ने सुनाई अपनी लव स्टोरी

कपिल शर्मा ने इस इंटरव्यू में अपनी जिंदगी के कई राज से पर्दा उठाया. उन्होंने पत्नी गिन्नी चतरथ (Kapil Sharma Wife Ginni Chatrath) के साथ अपनी लव स्टोरी के बारे में बात करते हुए कहा, 'गिन्नी मुझसे 3-4 साल जूनियर थी. वह जालंधर में गर्ल्स कॉलेज से ग्रेजुएशन कर रही थी और मैं कमर्शियल आर्ट्स में पीजी डिप्लोमा. उस वक्त पैसों की भारी किल्लत थी, लिहाजा, मैं पॉकेट मनी के लिए थिएटर करता था, जिसकी वजह से मैं दूसरे कॉलेज के चक्कर लगाता रहता था.' कपिल आगे कहते हैं, 'गिन्नी मेरी बहुत अच्छी स्टूडेंट थी.

दरअसल, वह स्किट्स और हिस्ट्रियोनिक्स में बहुत अच्छी थी, इसलिए मैंने उन्हें अस्टिटेंट बनाने का फैसला किया था. वैसे, अब मैरिज के बाद वह मेरी टीचर बन गई हैं.'

सेहत और खूबसूरती के रसीले इलाज

फलों व सब्जियों का रस निकालने का सही तरीका यह है कि इनके छिलके व बीजों को निकाल लें। इनके छिलकों में कई टाक्सिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। सेब के छिलके में एक तत्व होता है जो हानिप्रद हो सकता है। साथ ही आजकल फलों को पकाने के लिए रसायनों का प्रयोग किया जाता है। ये रसायन भी छिलकों के साथ हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। छिलकों में कड़वापन भी होता है जो जूस के स्वाद को खराब व कड़वा कर देता है इसलिए छिलके उतारकर ही रस निकालें।

ताजे फलों व सब्जियों का सेवन हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत आवश्यक है, क्योंकि ये विटामिन, एन्जाइम व मिनरल के अच्छे स्रोत हैं परन्तु हम इनका सेवन बहुत अधिक मात्रा में नहीं कर पाते, क्योंकि हमारा शरीर इनसे प्राप्त रेशा पचा नहीं पाता, इसलिए अधिक से अधिक विटामिन व मिनरल पाने का सबसे उत्तम तरीका है फलों व सब्जियों के रस का सेवन। जूस क्योंकि तरल होता है इसलिए शरीर द्वारा आसानी से ग्रहण कर लिया जाता है। अब सबसे पहला प्रश्न आता है कि जूस कितना पिया जाए। इसका निर्धारण करना तो कठिन है परन्तु प्रतिदिन दो से चार गिलास रस हमारे शरीर के लिए अच्छा है। वैसे तो हम हर रोज सब्जियां खाते हैं परन्तु इनको पकाते समय हम इनके सभी पौष्टिक तत्व नष्ट कर बैठते हैं।

इस प्रकार जो सब्जियां हम प्रयोग में लाते हैं, वे पौष्टिकता रहित होती हैं इसलिए सब्जियों व फलों का रस ही उपयुक्त है जो हमें सभी पौष्टिक तत्व व तुरन्त शक्ति प्रदान करता है। आजकल बाजार में बहुत-सी कम्पनियों के जूस कैन उपलब्ध है परन्तु ये भी पौष्टिकता रहित होते हैं। इन कैन जूसों को बनाने, पैंकिंग व बाजार में उपलब्ध होने तक कई हफ्ते लग जाते हैं और इतने समय में सभी पोषक तत्व नष्ट हो चुके होते हैं। साथ ही इनको सुरक्षित रखने के लिए इनमें कई तरह के रसायन मिलाए जाते हैं जैसे सोडियम बेनजोएट, बेनजोइक एसिड आदि जो पोषक तत्वों को नष्ट करते हैं, इसलिए इनका प्रयोग स्वास्थ्यप्रद नहीं होता, इसलिए फलों व सब्जियों का रस ताजा ही निकालें। अगर आप पौष्टिकता चाहते हैं तो रस निकालने के लिए थोड़ा समय तो निकालना ही पड़ेगा। बाजार में भी अगर फलों का रस पिएं तो अपने सामने ही निकलवाएं व पहले के कटे हुए फलों व सब्जियों का रस बिल्कुल न पिएं, क्योंकि खुले पड़े रहने के कारण इनमें बैक्टीरिया पनप जाते हैं। फलों व सब्जियों का रस अलग-अलग निकालें व इनका सेवन भी एक साथ न करें। यह उन लोगों के लिए और भी महत्वपूर्ण है जिन्हें किसी सब्जी या फल से एलर्जी है।

फलों व सब्जियों का रस निकालने का सही तरीका यह है कि इनके छिलके व बीजों को निकाल लें। इनके छिलकों में कई टाक्सिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। सेब के छिलके में एक तत्व होता है जो हानिप्रद हो सकता है। साथ ही आजकल फलों को पकाने के लिए रसायनों का प्रयोग किया जाता है। ये रसायन भी छिलकों के साथ हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। छिलकों में कड़वापन भी होता है जो जूस के स्वाद को खराब व कड़वा कर देता है इसलिए छिलके उतारकर ही रस निकालें। फलों का रस कई रोगों को दूर करता है। यह पाचनतंत्र के लिए लाभप्रद है। इससे हमारा रक्त शद्ध होता है व फलों के रस का सेवन शरीर से हानिकारक विषों को बाहर निकालता है। सब्जियों व फलों का रस शरीर में नये सेलों के निर्माण में भी सहायक होता है। फलों के रस को पचाने में हमारे पाचन तंत्र को कठिन श्रम नहीं करना पड़ता।

इसके अतिरिक्त रोगों के इलाज में फलों व सब्जियों के रस का प्रयोग किया जाता है। कब्ज में पालक, गाजर, बंदगोभी व सेब का रस लाभप्रद होता है। अस्थमा में सेब, खीरा, अदरक का रस लाभप्रद होता है। डायरिया जो गर्मियों की एक आम बीमारी है व जिसमें शरीर से पानी का क्षय होती है। इस पानी की कमी की पूर्ति के लिए भी फलों का रस एक टॉनिक के रूप में कार्य करता है। डायरिया में नींबू पानी, गाजर, टमाटर व अंगूर का रस लेना लाभप्रद है। गला दर्द होने पर अदरक का रस व अनन्नास का रस लेने से लाभ होता है। फलों व सब्जियों के रस न केवल स्वास्थ्यवर्द्धक बल्कि सौन्दर्यवर्द्धक भी हैं, इसीलिए बाजार में फलों व सब्जियों से बने सौंदर्य प्रसाधन उपलब्ध हैं। फलों व सब्जियों का रस हमारी त्वचा के स्वास्थ्य व सौंदर्य के लिए अच्छा होता है।

खीरे का रस, तरबूज का रस, टमाटर का रस, संतरे का रस, नींबू आदि त्वचा को आभा प्रदान करते हैं। फेस पैक के रूप में इनका प्रयोग तो पुराने समय से होता आया है। आलू व खीरे के गोल टुकड़े कर 10-15 मिनट आंखों पर रखने से आंखों को ठंडक पहुंचती है व आंखों के इर्द-गिर्द पड़ी झाइयां व काले धब्बे खत्म हो जाते हैं। सेब के गूदे का फेस मास्क एक अच्छा क्लींजर है व तैलीय त्वचा के लिए अच्छा है।

स्वाद भी बढ़ाता है पुदीना व सेहत का भी ख्याल रखता है

पुदीने का प्रयोग अक्सर चटनी बनाने में किया जाता है, तो कभी इसे गन्ने का रस निकालते समय प्रयोग किया जाता है। जिस भी व्यजंन में पुदीने का प्रयोग किया जाता है, उसका स्वाद कई गुना बढ़ जाता है। लेकिन पुदीना सिर्फ आपके भोजन का स्वाद ही नहीं बढ़ाता, बल्कि इसके कारण आपको कई तरह के स्वास्थ्य लाभ ही होता है। यहां तक कि बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं में तो आप इसे बतौर औषधि भी इस्तेमाल कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं पुदीना से होने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में-

पेट दर्द करे छूमंतर

अगर आपका पाचन तंत्र सही तरह से काम नहीं कर रहा और पेट अच्छी तरह साफ न होने के कारण आपको पेट में दर्द हो रहा है तो आप पुदीने का प्रयोग करें। पेट दर्द को छूमंतर करने के लिए आप पुदीने को पीस कर पानी में मिला लें और फिर उस पानी को छान कर पीएं। यह आपको पेट दर्द से तो राहत दिलाएगा ही, साथ ही इससे आपकी पाचन शक्ति भी बेहतर होगी।

वहीं अपच होने की स्थिति में आप पुदीने की पत्तियों का रस निकालकर उसमें नींबू का रस व शहद मिलाकर दिन में कम से कम तीन बार लें। आपको काफी राहत महसूस होगी।

सांसों की बदबू से छुटकारा

कुछ लोगों को अक्सर सांसों से आने वाली दुर्गंध की परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में वे किसी के भी सामने बात करने से हिचकते हैं। अगर आपको भी इस समस्या से दो-चार होना पड़ता है तो आप पुदीने की पत्तियों की मदद लें। इसके इस्तेमाल के लिए आप भोजन करने के बाद पुदीने की कुछ पत्तियों को चबाएं। इससे आपकी सांसों से बदबू नहीं आएगी।

गले के लिए वरदान

अगर आपको गले में किसी तरह की समस्या है तो आप पानी में पुदीने की पत्तियां उबालकर उसमें थोड़ा नमक मिलाएं। इस पानी से गार्गिल करने पर आपको गले की हर समस्या से राहत मिलती है। यह नुस्खा गायकों के लिए काफी अच्छा माना जाता है।

ठीक करे चोट

अगर आपको चोट लग गई है तो आप पुदीने की मदद से अपने घाव को ठीक कर सकते हैं। दरअसल, पुदीने में एंटी-बैक्टिरियल पाया जाता है जो घाव या चोट को ठीक करने में मदद करता है। इसके इस्तेमाल के लिए आप पुदीने की पत्तियां मसल कर इसका पेस्ट बना कर घाव वाली जगह पर लगाएं। इससे आपो काफी आराम मिलेगा।

चावल के पानी से बनाएं बालों को मजबूत

अगर हम किचेन के एक ऐसे इंग्रीडिएंट्स की बात करें जिसके बिना हमारा खाना अधूरा है और जो हर घर के किचेन में मिल जाएगा तो आपके दिमाग एक नाम ज़रूर आएगा और वो है चावल। अगर आप अकेले रहती हैं शायद चावल वो इंग्रीडिएंट है जिसे बनाना बेहद आसान है। बस इसे पानी में डालें, उबालें और हो गया आपका खाना तैयार। आपने हेल्थ से जुड़े चावल के कई फायदों के बारे में तो आपने सुन रखा होगा, लेकिन क्या आपको इसके ब्यूटी फायदों के बारे में मालूम है? चौंकिए मत, ये सच है. जितना आसान चावल को बानान है उतना ही आसान इसकी मदद से ग्लोइंग स्किन पाना भी है। इतना ही नहीं, ये आपके बालो के लिए भी काफी फायदेमंद है।

डैमैज्ड बालों को करता है ठीक

अगर हेयर स्ट्रेटनर और केमिकल्स के ज़्यादा इस्तेमाल की वजह से आपके बाल खराब हो चुके हैं, तो इस मामले में चावल आपके लिए किसी मसीहे से कम नहीं है। शैम्पू करने के बाद चावल के पानी से हल्के हाथों से स्कैल्प का मसाज करें। 5 मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें और फिर नॉर्मल पानी से बालों को धो लें।

बालों को करे स्ट्रेट

कई बार हमारे बाल काफी कमजोर हो जाते हैं और आसानी से टूट जाते हैं। ऐसा अमिनो एसिड, विटामिन और मिनरल्स की कमी की वजह से होता है। इसलिए अपने बालों को चावल के पानी से मसाज करें ताकि आपके बालों की मजबूती बने रहे और आपके प्यारे बाल टूट कर आपसे अलग न हो।

बालों में लाए चमक

चावल का पानी न सिर्फ आपके बालों को मजबूत बनाता है बल्कि ये आपके बालों में चमक भी लाने का काम करता है। बालों को एक्सट्रा पोषण देने के लिए इसमें रोज़मैरी, लैवेंडर या टी ट्री जैसे एसेंसिअल ऑयल्स मिलाएं.

ये है एक कमाल का शैम्पू

चावल का पानी न सिर्फ एक कमाल का कंडीशनर है बल्कि एक बेमिसाल शैम्पू भी है। आपको ज़रूरत है तो बस इसमें पिसे हुआ आंवला या शिकाकाई या संतरे का छिलका मिलाने की और क्या बस इससे अपने बालों को धो लें और पाएं खूबसूपत बाल।

स्किन से जुड़ी परेशानी को करे कम

हाइपरपिग्मेंटेशन, बढ़ती उम्र या धूप की वजह से होने वाले दाग-धब्बे या गोरी रंगत पाने की चाहत ऐसे कई समस्या हैं जिससे हम गुजरते हैं। आपकी इन परेशानियों को पलभर में दूर करेगा चावल का पानी। ये आपके बढ़े हुए पोर्स को कम कर आपके चेहरे पर कसाव लाने का काम करेंगा।

ये है टोनर भी

अक्सर हम बचे हुए चावल को फेंक देते हैं? लेकिन ऐसा न करें। इन चावलों को लें और इन्हें अच्छी तरह मसल कर बॉडी स्क्रब तैयार करें। इसमें 2-3 चम्मच ऑलिव या नारियल तेल, 2 चम्मच नींबू का रस या एसेंसिअल ऑयल्स (लैवेंडर, स्वीट ऑरेंज या एक तरह का नींबू) अच्छी तरह मिला लें। हफ्ते में एक बार इसका इस्तेमाल करें।

चटपटा पेपर लेमन चिकन

इस रेसिपी को बनाने के लिए आपको चिकन की आवश्यकता पड़ेगी। आप इसे घी राइस या फिर मटर पुलाव के साथ सर्व कर सकती हैं। यह आम चिकन रेसिपी से बिल्कुल हट कर है।

सामग्री- बोनलेस चिकन 2 पीस, अदरक 2 चम्मच, लहसुन 2 चम्मच, मिर्च पाउडर- 2 चम्मच, हल्दी पाउडर 1 चम्मच, जीरा पाउडर 2 चम्मच, धनिया पाउडर 2 चम्मच, गरम मसाला पाउडर 1 चम्मच, लाल मिर्च पावडर 1 चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच, नमक स्वादअनुसार, दही 1 कप, तेल 2 चम्मच।

बनाने की विधि : सबसे पहले चिकन के पीस को हल्दी और नमक मिला कर एक साथ मैरीनेट कर लें। पैन में तेल गरम करें, उसमें चिकन पीस डालें। इसे तब तक पकाएं जब तक कि चिकन गोल्डन ब्राउन ना हो जाए। अब अदरक और लहसुन घिस कर मिलाएं। धीमी आंच पर चिकन को पकाएं। उसके बाद हल्दी, जीरा, धनिया, मिर्च पाउडर, गरम मसाला और लाल मिर्च डाल कर चलाएं। जब मसाले से तेल अलग होने लगे तब उसमें नींबू का रस डाल कर एक बार और अच्छी तरह से चलाएं। अब एक कटोरे में दही फेंट लें। आंच से पैन हटा दें और दही को पैन में डाल कर चिकन के साथ मिक्स कर लें। फिर पैन को आंच पर रखें। इसे अच्छी तरह से पकाएं, आंच बंद करें और ऊपर से हरी धनिया छिडक़े और सर्व करें।

आंवले से होने वाले इतने सारे फायदों के बारे में जानते हैं आप ?

आपने अक्सर लोगों को कहते हुए सुना होगा कि आंवला सेहत के लिए बहुत लाभकारी है। लेकिन क्या आपको पता है कि यह आपकी सेहत से लेकर सौंदर्य तक हर पहलू में आपके काफी काम आ सकता है। आंवला का रस आपके शरीर को ऊर्जा देकर आपको पूरे दिन न सिर्फ रिचार्ज रखता है, साथ ही इसमें मौजूद मिनरल्स व विटामिन सी के कारण आप बहुत सी बीमारियों से भी बचे रहते हैं। जहां तक बात सौंदर्य लाभ की है तो इसके सेवन से आप न सिर्फ खुद को लंबे समय तक जवां बनाए रख सकते हैं, बल्कि इससे आपके बालों को भी लाभ होता है। तो आईए जानते हैं आंवले के रस के ऐसे ही कुछ फायदों के बारे में-

कंट्रोल करे डायबिटीज

शायद आपको न पता हो लेकिन आंवले में गैलिक एसिड, गैलोटेनिन, एलैजिक एसिड और कोरिलैगिन जैसे तत्व पाए जाते हैं। इन तत्वों की एंटी-बायबिटीज क्षमताओं के कारण यह आपके रक्त में मौजूद ग्लूकोज के लेवल को कम करता है। इसलिए अगर आपको मधुमेह की समस्या है तो आपको आंवले के रस का सेवन अवश्य करना चाहिए।

बढ़ाए गुड कोलेस्ट्रोल

आमतौर पर लोग कोलेस्ट्रोल को शरीर के लिए हानिकारक ही मानते हैं, लेकिन शरीर में गुड कोलेस्ट्रोल का होना भी बेहद आवश्यक है। कुछ शोध बताते हैं कि आंवले का रस न सिर्फ शरीर में गुड कोलेस्ट्रोल की मात्रा में बढ़ोतरी करता है, बल्कि इसके नियमित सेवन से शरीर में मौजूद बैड कोलेस्ट्रोल धीरे-धीरे कम होने लगता है। जिसके कारण आप कुछ ही समय में खुद को चुस्त व तंदुरूस्त पाते हैं। दरअसल, आंवले में मौजूद में एमिनो एसिड व एंटीऑक्सीडेंट हृदय के कार्य करने की क्षमता को बेहतर बनाते हैं।

खांसी-जुकाम से छुटकारा

कुछ लोगों को बदलते मौसम में खांसी-जुकाम की समस्या अक्सर देखने को मिलती है। ऐसे लोगों के लिए आंवला का रस काफी मददगार साबित होता है। इसके लिए आप दो चम्मच आंवला के रस में दो चम्मच शहद मिलाकर रोजाना पिएं। आपको जल्द ही खांसी-जुकाम से राहत मिलेगी। वहीं अगर आपको मुंह में छालों की समस्या है तो आप कुछ चम्मच आंवले का रस पानी में मिलाएं व उस पानी से कुल्ला करें। चूंकि आंवला में विटामिन सी काफी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जिससे यह आपकी इम्युनिटी, मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है व बैक्टीरियल इंफेक्शन को कम करता है। इसलिए इसके नियमित सेवन से खांसी-जुकाम आदि होने की संभावना ना के बराबर हो जाती है।

करे शरीर की सफाई

आंवले का रस आपके शरीर में मौजूद सभी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकाल कर आपके शरीर की आंतरिक रूप से सफाई करता है। इतना ही नहीं, यह आपकी सांस संबंधी बीमारियों से लेकर डाइजेस्टिव सिस्टम, लिवर के फंक्शन, हृदय के फंक्शन आदि सभी को बेहतर बनाता है। इसमें विटामिन सी के अतिरिक्त आयरन, कैल्शियम, फास्फोरस आदि भी पाया जाता है। इसलिए यह एक कंप्लीट न्यूट्रिशन पेय है। साथ ही आप इसे रोजाना भी पी सकते हैं, इससे आपको किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं होगा।

तेज करे दिमाग

आंवला में मौजूद विटामिन सी और एंटी-ऑक्सीडेंट न्यूरोट्रांसमीटर के प्रॉडक्शन को बढ़ावा देते हैं, जिसके कारण आपका दिमाग पहले से बेहतर तरीके से काम करने लगता है। इस प्रकार आंवला के रस के सेवन से आपकी याददाश्त तेज होती है। साथ ही यह शरीर में स्ट्रेस लेवल को भी कम करता है। इतना ही नहीं, अगर आपको नींद न आने या बेहद कम आने की समस्या हो तो उसके लिए भी आपको आंवले के रस का सेवन करना चाहिए।

बनाए बालों को बेहतर

बालों को बेहतर बनाने के लिए शरीर में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन का होना बेहद आवश्यक है, लेकिन रोजाना के भोजन से शरीर में प्रोटीन की आवश्यकता पूरी नहीं होती। जिससे बाल बेजान, रूखे, दोमुंहे व झड़ने लगते हैं। ऐसे में आंवले का रस आपके सिर्फ शरीर के लिए ही नहीं, बल्कि बालों के लिए भी काफी फायदेमंद है। आंवले में मौजूद एमिनो एसिड व प्रोटीन बालों की जड़ों को मजबूत बनाकर न सिर्फ उन्हें झड़ने से रोकता है, बल्कि इससे आपके बाल जल्दी भी बढ़ते हैं और शाइनी लगते हैं।

सीरीज के तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच....

दक्षिण अफ्रीका में एतिहासिक सीरीज जीतने उतरेगा भारत, नजरें कोहली पर

केपटाउन। (एजेंसी)।

भारत को करिश्माई कप्तान विराट कोहली की मौजूदगी की जरूरत है जिससे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसकी सरजमीं पर पहली बार टेस्ट श्रृंखला जीतने के उसके अभियान को मजबूती मिलेगी लेकिन मंगलवार से शुरू हो रहे टेस्ट में मेजबान टीम भी दूसरा टेस्ट जीतने के बाद बढ़े हुए मनोबल के साथ उतरेगी। कोहली पीठ के ऊपरी हिस्से में जकड़न के कारण पिछले हफ्ते जोहानिसबर्ग में दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाए थे और अगर न्यूलैंड्स पर ट्रेनिंग सत्र से मिले संकेतों को देखें तो भारतीय कप्तान के तीसरे और अंतिम टेस्ट में खेलने की पूरी संभावना है। तीन मैचों की श्रृंखला अभी 1-1 से बराबर है। मेजबान टीम भी निश्चित तौर पर दूसरे टेस्ट में अपने प्रदर्शन से प्रेरणा लेना चाहेगी। कोहली अपना 99वां टेस्ट अपनी बेटी के पहले जन्मदिन के मौके पर खेलेंगे। ऐसे में बल्लेबाज कोहली चाहेंगे कि वह पिछले कुछ समय से बेहद दबाव का सामना कर रहे कप्तान कोहली के लिए इस मैच को यादगार बनाएं। दक्षिण अफ्रीका में तीन दशक में पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने से निश्चित तौर पर कोहली का नाम पारंपरिक प्रारूप में देश के महानतम कप्तान के रूप में स्थापित होगा। इसके लिए हालांकि भारत को अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो पिछले कुछ समय से उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

पहली पारी में 300 से अधिक का स्कोर खड़ा करना महत्वपूर्ण होगा। टीम में ऐसे खिलाड़ी होते हैं जिनकी सिर्फ मौजूदगी से ही टीम को मनोवैज्ञानिक फायदा मिलता है और कप्तान कोहली इसी तरह के खिलाड़ियों में शामिल हैं। वह बल्लेबाजी कर रहे हों या क्षेत्ररक्षण, मैदान पर कोहली की मौजूदगी ही विरोधी टीम को असहज करने के लिए काफी है। वह भले ही दो साल से शतक नहीं जड़ पाए हों लेकिन उनकी मौजूदगी विरोधी टीम को रणनीति बदलने पर मजबूर करती है। हालांकि कोहली की पिछले दो साल में बल्लेबाजी पर गौर करें तो चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे के विपरीत वह जब तक क्रीज पर रहते हैं उनकी बल्लेबाजी में विश्वास झलकता है। जोहानिसबर्ग में दो संघर्षपूर्ण पारियों, विशेषकर दूसरी पारी में नाबाद 40 रन बनाने के बाद हनुमा विहारी को मायूसी हाथ लग सकती है और उन्हें टीम में कप्तान के लिए जगह बनानी पड़ सकती है। काफी विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि कोहली को आफ ड्राइव खेलने से बचना होगा या फिर 2004 में सचिन तेंदुलकर की तरह की पारी खेली होगी जब सिडनी में ब्रेट ली एंड कंपनी के खिलाफ उन्होंने दोहरा शतक नहीं जड़ने तक आफ साइड में शॉट नहीं खेले थे। लेकिन कोहली का अपना अलग तरीका है।

अगर रविवार के अभ्यास पर गौर करें तो वह अभी कवर ड्राइव खेलने से नहीं हिचक रहे हैं। ऋषभ पंत ने हाल के महीनों में तेज गेंदबाजों के खिलाफ आगे बढ़कर खेलते हुए आक्रामकता दिखाई है लेकिन इसका उन्हें अधिक फायदा नहीं मिला है। न्यूलैंड्स की असमान उछाल वाली घसियाली पिच पर भारत को कागिसो रबाडा, डुआने ओलिवियर, लुंगी एनगिडी और मार्को जेनसन के खिलाफ बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी। भारत ने केपटाउट में कभी टेस्ट मैच नहीं जीता है और मध्यक्रम के तीन अनुभवी बल्लेबाजों को वांडरर्स से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पुजारा और रहाणे को दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी में अर्धशतक जड़ने के बाद अंतिम एकादश में बरकरार रखा जा सकता है लेकिन अगर वे कोई महत्वपूर्ण योगदान नहीं देते हैं और उनका करियर बचाने के लिए ये नाकाफी हो सकता है।

अर्धशतक जड़ना सकारात्मक संकेत हैं लेकिन अच्छी शुरुआत को बड़े शतक में नहीं बदल पाना निराशाजनक है। इसी तरह लोकेश राहुल और मयंक अग्रवाल को भी दक्षिण अफ्रीका के तूफानी गेंदबाजों के खिलाफ टीम को अच्छी शुरुआत दिलानी होगी। तेज गेंदबाज इशांत शर्मा भी अपने करियर के अंतिम चरण में हैं और मोहम्मद सिराज के पैर की मांसपेशियों में चोट से उन्हें मौका मिल सकता है।

पिछले छह महीने में वह खराब फॉर्म और चोट से जूझते रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका की पिचों की प्रकृति और इशांत की छह फीट से अधिक की लंबाई के साथ लगातार मेडन फेंकने की क्षमता उन्हें उमेश यादव से बेहतर विकल्प बनाती है। टीम को हालांकि जसप्रीत बुमराह से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी जिनका स्ट्राइक रेट पीठ की चोट से वापसी करने के बाद गिरा है। डीन एल्गर, रेसी वान डेर डुसेन और तेंबा बावुमा को बुमराह अपनी शॉर्ट पिच गेंदों से परेशान नहीं कर पाए और वह अपने प्रदर्शन में सुधार करना चाहेंगे।

पी वी सिंधू की नजरें 2022 में राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में पहले गोल्ड पर होगी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू की नजरें 2022 में राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में स्वर्ण पर है जो वह अभी तक नहीं जीत सकी है लेकिन व्यस्त सत्र में वह चुनिंदा टूर्नामेंट खेलेंगी ताकि सही समय पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सके। राष्ट्रमंडल खेल जुलाई अगस्त में बर्मिंघम में होंगे जबकि एशियाई खेल चीन में सितंबर में होने हैं। सिंधू ने सत्र के पहले इंडिया ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट से पहले कहा ,'' इस साल मैं राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल और आल इंग्लैंड खिताब जीतना चाहूंगी और विश्व चैम्पियनशप भी।'' इस साल बड़े टूर्नामेंटों के अलावा बीडब्ल्यूएफ के विश्व टूर टूर्नामेंट भी होंगे जिनमें सुपर 1000, सुपर 750 और सुपर 500 टूर्नामेंट शामिल हैं। सिंधू ने कहा ,'' सही टूर्नामेंट चुनकर खेलना होगा क्योंकि इस साल काफी टूर्नामेंट होने हैं।''

उन्होंने कहा ,'' हमें सावधानी से रणनीति बनानी होगी क्योंकि रैंकिंग भी अहम है। मैं एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों से पहले सर्वश्रेष्ठ फॉर्म हासिल करना चाहूंगी।'' उन्होंने कहा ,'' मानसिक और शारीरिक रूप से फिट रहना जरूरी है।हर समय सौ फीसदी देना होता है। ऐसे में कोर्ट के भीतर और बाहर फिटनेस बहुत जरूरी है। अभ्यास में सौ फीसदी देने पर ही मैच में भी उसे दोहरा सकेंगे।'' पिछले सत्र के बारे में सिंधू ने कहा ,'' पिछला साल अच्छा रहा। कुछ जीता, कुछ हारा। मैं अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हूं। विश्व चैम्पियनशिप क्वार्टर फाइनल में हार गई लेकिन मैने अपनी ओर से पूरी कोशिश की। विश्व टूर फाइनल में रजत पदक जीता। ओलंपिक पदक बहुत बड़ी बात थी।

बोल्ट ने टेस्ट में 300 विकेट पूरे किये

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने बांग्लादेश के साथ जारी दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपने 300 विकेट पूरे किये। इसी के साथ ही बोल्ट टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 300 विकेट लेने वाले बाएं हाथ के तीसरे तेज गेंदबाज बन गए हैं।

बोल्ट ने पहली पारी में पांच विकेट लेने के साथ ही टेस्ट में 300 विकेट पूरे किये। यहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने 142 पारियां खेली। वहीं दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल जॉनसन हैं जिन्होंने 132 पारियों में 300 विकेट का आंकड़ा हासिल किया था। पहले स्थान पर पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम हैं जिन्होंने केवल 121 पारियों में ही टेस्ट में 300 विकेट ले लिए थे। करने के लिए मात्र 121 इनिंग्स की ली। चौथे और पांचवें स्थान पर श्रीलंका के चमिंडा वास और भारत के जहीर खान हैं जिन्होंने 155 और 160 पारियों में यह आंकड़ा हासिल किया था।

न्यूजीलैंड बनाम बांगलादेश दूसरे टेस्ट : न्यूजीलैंड को मिली 395 रनों की बढ़त , बांग्लादेश पर पारी की हार का खतरा मंडराया

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)।

टॉम लाथम के दोहरे शतक 252 रन और डेवोन कॉन्वे के शतक 109 रनों की सहायता से न्यूजीलैंड ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में मेहमान टीम बांग्लादेश पर अपना शिकंजा कस दिया है। इन दोनो की इन पारियों की सहायता से न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन अपनी पहली पारी छह विकेट पर 521 रन बनाकर घोषित कर दी। इसके बाद टेंट बोल्ट की घातक गेंदबाजी से कीवी टीम ने बांग्लादेश को पहली पारी में 126 रनों पर ही समेट दिया। बोल्ट ने 43 रन देकर पांच विकेट लिए। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर मेजबान न्यूजीलैंड को 395 रनों की बढ़त मिल गयी है।

बोल्ट के सामने बांग्लादेश के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। केवल दो बल्लेबाज ही दोहरे अंकों तक पहुंच पाये। बांग्लादेश के चार बल्लेबाज 11 रन पर पेवेलियन लौट गये थे। केवल यासिर अली अर्धशतक लगा पाये। वह दूसरे दिन का खेल समाप्त होने से ठीक पहले 55 रन पर आउट हुए। लाथम ने दोहरा शतक जमाने के साथ दूसरी स्लिप में दो कैच भी पकड़े। उन्होंने 552 मिनट क्रीज पर रहकर 305 गेंद में 252 रन की पारी खेली और कॉन्वे के साथ दूसरे विकेट के लिये 215 रन बनाये। कोंवे ने पहले दिन 99 रन बनाये थे। उन्होंने दूसरे दिन इबादत हुसैन की पहली ही गेंद पर एक रन लेकर अपना तीसरा शतक पूरा किया। कॉन्वेवह 109 के स्कोर पर रन आउट हुए। उनके बाद अनुभवी रोस टेलर क्रीज अपने करियर का अंतिम टेस्ट खेलने आये। रोस ने मैदान पर उतरने के साथ ही न्यूजीलैंड के लिये रिकॉर्ड 112 टेस्ट खेलने के डेनियन विटोरी के रिकॉर्ड की भी बराबरी की है। रोस 28 रन बनाकर आउट हुए और दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरी मेहमान बांग्लादेश टीम ने कीवी गेंदबाजों के सामने घुटने टेक दिये।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन खेलने मेलबोर्न पहुंची बार्टी

एडीलेड। ऑस्ट्रेलिया की महिला टेनिस स्टार एश्ले बार्टी साल के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेने के लिए मेलबोर्न पहुंच गयी हैं। बार्टी एडीलेड अंतराष्ट्रीय के एकल और युगल दोनों खिताब जीतने के बाद सीधे ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए पहुंची हैं। इस खिलाड़ी ने कहा है कि ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले तरोताजा होने के लिए ही उसने सिडनी क्लासिक टूर्नामेंट से अपना नाम वापिस ले लिया है। इस खिलाड़ी ने कहा कि यह उसके लिए असाधारण सप्ताह रहा है। इस दौरान उसने कई एकल और युगल मैच खेले और कोर्ट पर जीत दर्ज की है। इससे ऑस्ट्रेलिया ओपन के लिए उसकी अच्छी तैयारी हो गयी है। बार्टी ने एलेना रिबाकिना को 6-3, 6-2 से हराकर एडीलेड अंतरराष्ट्रीय एकल खिताब जीता था। वहीं युगल में उसने स्टोर्म सैंडर्स के साथ मिलकर खिताब जीता था। दूसरी ओर मेलबर्न में हो रहे एक अन्य टूर्नामेंट में पुरुष वर्ग के शीर्ष खिलाड़ी स्पेन के टेनिस स्टार रफेल नडाल ने अमेरिका के मैक्सिम क्रेसी को 7-6, 6 -3 से हराया जबकि महिला वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त सिमोना हालेप ने वेरोनिका कुडेरमेटोवा को 6-2, 6-3 से हराकर जीत दर्ज की है।

बीसीसीआई ने कूच बिहार ट्रॉफी के नॉकआउट चरण को रोका

मुंबई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी के नॉकआउट चरण के मैचों को सोमवार को स्थगित कर दिया। बीसीसीआई ने दो टीमों के बीच कोरोना संक्रमण के मामले पाए जाने के बाद यह कदम उठाया है। पुणे में मंगलवार से शुरू होने वाले नॉकआउट मैचों से पहले भी आठ टीमों में करीब 50 संक्रमित मिले थे। बीसीसीआई ने अपने एक बयान में कहा कि सभी की सेहत की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुणे में होने वाले नॉकआउट चरण के मैचों को रोक दिया गया है। बीसीसीआई ने इससे पहले लीग चरण में 20 स्थानों पर 93 मैचों का आयोजन किया था। साथ ही कहा है कि बीसीसीआई स्थिति की समीक्षा कर रहा है और संक्रमण के हालात सुधरने पर नए सिरे से कार्यक्रम बनाया जाएगा। इससे पहले बीसीसीआई ने कोरोना संक्रमण बढ़ने के कारण ही रणजी ट्राफी सहित सभी घरेलू टूर्नामेंटों को स्थगित कर दिया था।

शीतकालीन ओलंपिक से पहले चीन में संक्रमण के मामले बढ़े

बीजिंग । यहां अगले माह होने वाले शीतकालीन ओलंपिक खेलों से पहले कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों से चीन की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। इसी को देखते हुए अब उसने करीब के तियानजिन शहर के एक करोड़ 40 लाख निवासियों का कोरोना परीक्षण की तैयारी कर ली है क्योंकि वहां कोविड-19 के कई मामले सामने आए हैं जिसमें खतरनाक ओमीक्रोन प्रारूप के भी दो मामले भी शामिल हैं। इन परीक्षणों का लक्ष्य शीतकालीन खेलों से पहले संक्रमण पर काबू पाना और बीजिंग में फैलने से रोकना है।

तियानजिन और बीजिंग के बीच हर दिन लाखों लोग यात्रा करते हैं क्योंकि हाई स्पीड ट्रेन से इन दोनों शहरों के बीच यात्रा करने में केवल 30 मिनट का समय लगता है। अधिकारियों के अनुसार 20 लोगों के कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद पूरे शहर में परीक्षण कराने का फैसला किया है।

संक्रमण के ये मामले शुक्रवार और शनिवार को जिनान जिले में आए और पता चला है कि इनमें से दो मामले ओमीक्रोन प्रारूप के हैं।तियानजिन चीन का पहला शहर था जिसमें दिसंबर के मध्य में ओमीक्रोन के कुछ मामले सामने आए थे पर इसके बाद मामले बढ़ने की कोई जानकारी नहीं मिली। पर्यटकों के बीच लोकप्रिय शियान और कुछ अन्य शहरों में भी मामले बढ़े हैं। जिसके बाद अधिकारियों ने बड़ी तादाद में परीक्षण किए थे।

न्यूजीलैंड के स्पिनर एजाज पटेल बने दिसंबर 2021 के ह्रष्टष्ट प्लेयर ऑफ द मंथ

दुबई (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड के स्पिनर एजाज पटेल ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ टेस्ट पारी में रिकॉर्ड 10 विकेट लेने के बाद दिसंबर के आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीता। एजाज को मयंक अग्रवाल और मिशेल स्टार्क के साथ इस पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया था लेकिन अपने अविश्वसनीय रूप से दुर्लभ उपलब्धि के दम पर एजाज ने दोनों को हरा दिया। एजाज ने दिसंबर की शुरुआत में भारत के खिलाफ मुंबई टेस्ट मैच में 14 विकेट चटकाए जिसमें पहली पारी में सभी 10 शामिल थे। वह जिम लेकर और अनिल कुंबले के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले टेस्ट इतिहास में तीसरे खिलाड़ी बन गए। मुंबई में जन्मे एजाज ने टेस्ट के पहले दिन का अंत सभी चार भारतीय विकेटों के साथ किया और अगले दिन पहले सत्र में बैक-टू-बैक डिलीवरी पर विकेट लेकर प्रभाव डाला। हालांकि वह हैट्रिक नहीं ले पाए, लेकिन एजाज ने पारी में सभी दस विकेट लिए और अपनी टीम के साथ ही विपक्षी खेमे से भी तालियां बटोरीं।

रंग दे बसंती फेम एक्टर सिद्धार्थ को मंहगा पड़ा साइना नेहवाल पर ट्वीट करना, महिला आयोग एक्शन में

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में 'गंभीर चूक' के मुद्दे को लेकर उन्होंने चिंता व्यक्त की थी जिस पर अभिनेता सिद्धार्थ की भद्दी टिप्पणी को देखना अच्छा नहीं था और वह टिप्पणी के लिए 'बेहतर शब्दों' का इस्तेमाल कर सकते थे।

सिद्धार्थ की साइना की ट्वीट पर टिप्पणी की इतनी आलोचना हो रही है कि राष्ट्रीय महिला आयोग ने ट्विटर से इस अभिनेता के अकाउंट को तुरंत ब्लॉक करने की मांग की। साइना भाजपा सदस्य हैं, उन्होंने एक बयान में कहा कि हां, मुझे नहीं पता कि उसका क्या मतलब था। मैं अभिनेता के तौर पर उसे पसंद करती थी लेकिन यह अच्छा नहीं था। वह बेहतर शब्दों से खुद को बयां कर सकता था लेकिन मुझे लगता है कि यह ट्विटर है जिस पर इस तरह के शब्दों और टिप्पणियों से आप हमेशा ध्यान आकर्षित करते हैं।

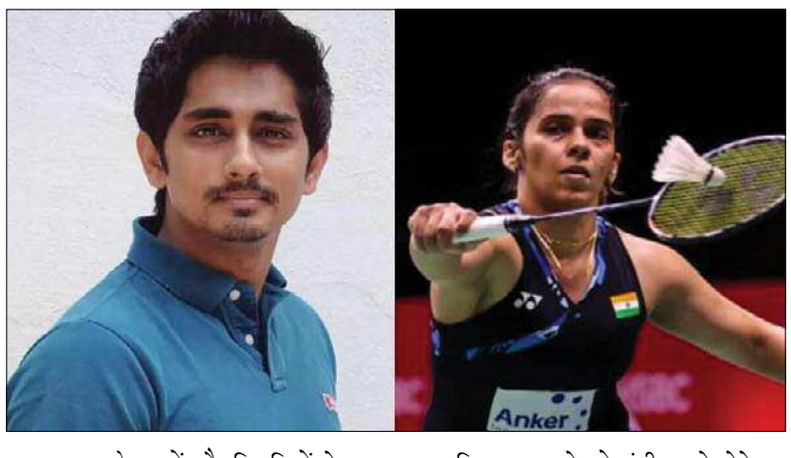

उन्होंने कहा कि अगर भारत के प्रधानमंत्री की सुरक्षा एक मुद्दा है तो मुझे नहीं पता कि देश में क्या सुरक्षित है। महिला आयोग ने कहा कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए रेखा शर्मा ने 'ट्विटर इंडिया' के स्थानीय शिकायत अधिकारी को पत्र लिखकर कहा है कि सिद्धार्थ का ट्विटर अकाउंट तत्काल ब्लॉक किया जाए।

इंडिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हुए प्रणीत

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन टीम के पुरुष एकल वर्ग के खिलाड़ी बी साई प्रणीत कोरोना संक्रमित पाये जाने के कारण मंगलवार से यहां शुरु हो रहे इंडिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं। प्रणीत ने कहा, 'हां, आरटी पीसीआर जांच में मुझे कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाया गया है। मुझे कल से जुकाम और खांसी थी। मैं घर पर ही पृथकवास पर हूं।' उन्होंने कहा, 'मुझे फिर से परीक्षण करवाने से पहले कम से कम एक सप्ताह तक प्रतीक्षा करनी होगी। मुझे उम्मीद है कि मैं जल्दी से कोर्ट पर वापसी करुंगा।' वहीं भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के महासचिव अजय सिंघानिया ने भी कहा है कि प्रणीत संक्रमित होने के कारण इस इंडिया ओपन से बाहर हो गए हैं। वहीं भारत के ही एक अन्य युगल खिलाड़ी ध्रुव रावत का दिल्ली रवाना होने से पहले परीक्षण पॉजिटिव आया था। इस करण वह भी इस टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। कोरोना संक्रमण के बढ़ते खतरे को देखते हुए यह टूर्नामेंट खाली स्टेडियम में हो रहा है। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट से ही 2022 का अंतरराष्ट्रीय सत्र भी शुरू होगा।

ईसीबी बो बदलना होगा कप्तान: पोंटिंग

सिडनी । एशेज क्रिकेट सीरीज में इंग्लैंड टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि टीम को कप्तानी में बदलाव करना होगा। पोंटिंग ने कहा कि जो रुट की जगह पर बेन स्टोक्स को कप्तान बना देना चाहिये। पोंटिंग के अनुसार स्टोक्स में नेतृव्व क्षमता है। इसलिए मुझे लगता है कि अगर स्टोक्स को टीम की कप्तानी दे दी जाए तो वह और भी बेहतर खिलाड़ी बनकर उभरेगा। इससे टीम के बाकी खिलाड़ियों पर भी अच्छा प्रभाव पड़ेगा। पोंटिंग ने यह भी कहा है कि रूट अगर इस सीरीज के बाद भी कप्तान बने रहते हैं तो यह नुकसानदेह होगा। इससे रुट का प्रभाव और भी कम होगा। साथ ही कहा कि कप्तानी से रुट की बल्लेबाजी पर भी असर पड़ रहा है। अगर मैं अपने करियर को देखूं तो मैंने कुछ साल ज्यादा खेला और संभावित रूप से कुछ साल लंबे समय तक कप्तानी भी की।